Tni आवाज़

द अनकवर्ड अपडेट

डिजिटल एडिशन

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

कवर के पीछे की खबर

RAJHIN/25/A4779

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज़

हिन्दुस्तान पत्रिका HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, मंगलवार 06 दिसंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 23 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

ओएनजीसी के तेल कुएं से गैस रिसाव, ब्लास्ट के साथ आग भी लगी

तीन गांव खाली कराए गए

एजेंसी

कोनसीमा आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले के राजोले इलाके में सोमवार को ओएनजीसी के एक तेल कुएं से भारी गैस रिसाव हुआ। घटना उस वक्त हुई, जब कुएं में मरम्मत का काम चल रहा था।

हालात को देखते हुए प्रशासन ने इरुसुमंदा और आसपास के तीन गांवों को एहतियातन खाली करा लिया। अभी किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, तेल कुएं से उत्पादन अस्थायी रूप से रोका गया था और मरम्मत की जा रही थी। इसी दौरान अचानक तेज ब्लास्ट हुआ और गैस व कच्चा तेल तेजी से ऊपर की ओर निकलने लगा। कुछ ही देर में गैस में आग लग गई और कुएं के पास ऊंची लपटें उठने लगीं। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से बिजली के स्विच बंद रखने, गैस चूल्हा न जलाने और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल न करने की अपील की।

रणथंभौर में सड़क पर दिखा बाघिन रिद्धि का शावक

गणेश मंदिर मार्ग पर चहल-कदमी की, 10 मिनट तक थमी रही पर्यटक और श्रद्धालुओं की सांसें

द अनकवर्ड अपडेट

सवाई माधोपुर। रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघिन रिद्धि का मेल शावक सोमवार की दोपहर एक बार फिर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर दिखाई दिया। रणथंभौर फोर्ट की पार्किंग के पास शावक की चहल-कदमी को देखकर करीब 10 मिनट तक पर्यटक और श्रद्धालुओं की सांसें थमी रही। दरअसल, सोमवार दोपहर करीब 2 बजे रणथंभौर फोर्ट की पार्किंग के पास रिद्धि का मेल शावक दिखाई दिया। शावक ने यहां करीब 10 मिनट तक जंगल की सुरक्षा दीवार और गणेश मंदिर मार्ग पर चहलकदमी की।

जानकारी के अनुसार- शावक नाल चढाई की दिशा से आया और कुछ देर रुकने के बाद जोन नंबर-3 की ओर चला गया। इस दौरान सफारी पर जा रहे पर्यटक और गणेश मंदिर दर्शन को जा रहे श्रद्धालु रुक गए। सभी ने शावक की चहल-कदमी को अपने कैमरे और मोबाइल में कैद किया।

शावक के मूवमेंट के चलते करीब 15 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा। बता दें कि शाम के समय रिद्धि के शावक का मूवमेंट लगातार सामने आ रहा है। इसके कारण यह क्षेत्र पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए हॉट-स्पॉट बन गया है।

प्रदेश में कोल्ड डे : माउंट आबू में पारा शून्य

राजस्थान के कई छाया घना कोहरा, | **कोहरे और शीतलहर, लोग ठिठुरे, नहीं मिली राहत** | **गलन वाली ठंड से कांपे हाड़**

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान में कोहरे और शीत लहर के चलते 11 जिलों के स्कूलों में छुट्टी रहेगी। हिल स्टेशन माउंट आबू (सिरोही) में लगातार तीसरे दिन तापमान शून्य पर दर्ज हुआ। राजस्थान के 7 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री से नीचे आ गया है। दिन में भी गलन वाली ठंड पड़ रही है।

जयपुर में सोमवार को सीजन की सबसे ठंडी रात और दिन

पिछली रात जयपुर में सीजन की सबसे सर्द रात और सर्द दिन रहा। यहां पिछली रात न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में सुबह से घना कोहरा रहा और दिन में तेज सर्द हवा चली। इस कारण सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान भी 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले 4 जनवरी को जयपुर में अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

4 दिनों तक कोल्ड-वेव का असर रहेगा

मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि राजस्थान में अगले एक सप्ताह कड़ाके की सर्दी जारी रहेगी, जबकि जयपुर संभाग के जिलों में 4 दिनों तक कोल्ड-वेव का असर रहेगा।

जयपुर के बाहरी इलाकों में सोमवार सुबह घरा कोहरा छाया रहा। आमेर फोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में कुछ इस तरह धुंध छाई रही।

इन शहरों में कोल्ड-डे रहा

रविवार को कोटा, सीकर, जयपुर, टोंक, भीलवाड़ा, अजमेर, बारां, पाली में कोल्ड-डे रहा। यहां दिन और रात का अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री या उससे भी नीचे दर्ज हुआ। जयपुर, सीकर में अधिकतम तापमान 18.5, पिलानी में 18.3, वनस्थली (टोंक) में 17.6, पाली के जवाई बांध के पास 15.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सड़क किनारे खड़े जुगाड़ से टकराई बस

दौसा जिले के मंडावरी थाना क्षेत्र में घने कोहरे के कारण प्राइवेट बस सड़क किनारे खड़े लकड़ी से भरे जुगाड़ से टकरा गई। हादसा कल्याणपुरा के पास घुमावदार मोड़ पर हुआ। बस सवाई माधोपुर से लालसोट जा रही थी। हादसे में 7 यात्री घायल हो गए। 3 गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

सर्दी को देखते हुए कलेक्टर ने की घोषणा

जयपुर समेत 11 जिलों में सर्दी से स्कूलों में छुट्टी

जयपुर में सर्दी के चलते 5वीं तक के बच्चों की 10 जनवरी तक और कक्षा 6 से 8वीं तक कक्षा की 8 जनवरी तक छुट्टी घोषित की गई है। हनुमानगढ़ में कड़ाके की ठंड के चलते सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पहली से 8वीं क्लास के बच्चों की छुट्टियां 10 जनवरी तक बढ़ा दी है। सीकर में 8वीं क्लास तक के बच्चों की 10 जनवरी तक छुट्टी रहेगी। श्रीगंगानगर में भी नर्सरी से 5वीं क्लास तक की छुट्टियां 12 जनवरी तक बढ़ा दी है। जबकि कक्षा 6 से 12वीं क्लास तक का समय सुबह 10.30 से दोपहर 3 बजे तक कर दिया है। बूंदी-बारां, दौसा में भी 8वीं क्लास तक के बच्चों की 6 और 7 जनवरी को छुट्टी रहेगी। प्रतापगढ़ में 8वीं क्लास तक के स्कूलों में 6 से 8 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। झालावाड़ में 10 जनवरी तक स्कूल बंद रहेंगे। अजमेर में 5 वीं क्लास तक के स्कूलों में 7 जनवरी तक छुट्टी रहेगी, छठी से ऊपर की क्लास का टाइम बदला गया। डूंगरपुर में 5वीं क्लास तक के स्कूल 8 जनवरी तक बंद रहेंगे। कोटा में आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6 साल तक के बच्चों की 14 जनवरी तक छुट्टी कर दी।

बूंदी में कोहरे के चलते ट्रेलर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मारी

जयपुर, कोटा, सीकर, उदयपुर, नागौर में सोमवार सुबह घना कोहरा रहा। सीकर में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई। कई शहरों में तो हाईवे पर सुबह नौ बजे तक हेडलाइट जलाकर गाड़ियां निकली। बूंदी में घने कोहरे के कारण ट्रेलर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में रामनिवास मालव (60) की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक व्यवस्था को संभाला।

जएनयू में नारे लगे- मोदी-शाह की कब्र खुदेगी

शरजील-उमर के समर्थन में प्रदर्शन, दिल्ली दंगा केस में कल जमानत नामंजूर हुई थी

द अनकवर्ड अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में नारेबाजी का वीडियो मंगलवार को सामने आया। वीडियो 35 सेकेंड का है। इसमें छात्र 'मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' नारे लगाते और गाते दिखे। ऐसा कहा जा रहा है कि ये छात्र उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत नामंजूर होने का विरोध कर रहे थे। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि JNU स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे। दिल्ली पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने भी कहा है कि नारों के संबंध में अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

कांग्रेस बोली- ये गुस्सा जाहिर करने का तरीका, BJP ने कहा- सपोले बिलबिला रहे

कांग्रेस नेता उदित राज- यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है। JNU में 2020 दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उमर खालिद और शरजील इमाम साथ ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं। उनके साथ नाइंसाफी हुई है। सुप्त का फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा- जो भी अशांति फैलाएगा, वह जेल जाएगा। यह BJP का राज है; यहां अशांति फैलाने वालों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दंगा करने वालों की जगह जेल में है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह- JNU 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का ऑफिस बन गया है। मैं 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से कहना चाहता हूं कि जो लोग उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थक भावनाएं रखीं और चिकन नेक कॉरिडोर को अलग करने की बात की, वे देशद्रोही हैं।

सवारी गाड़ी और स्विफ्ट भिड़ी, कार सवार तीन की मौत

रींगस (सीकर)। सीकर में स्विफ्ट कार और सवारी गाड़ी में भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर घायल हैं। घायलों को जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल में रेफर किया गया है। हादसा रींगस-खाटूश्यामजी रोड पर चौमूं पुरोहितान और लांपुवा के बीच रविवार रात करीब 2 बजे हुआ। रींगस थाने के एएसआई सांवताराम गुर्जर ने बताया- सवारी गाड़ी ड्राइवर अजय देवंदा (35) खाटूश्यामजी से रींगस की तरफ आ रहा था। कार सवार चार युवक खाटूश्यामजी के दर्शन करने जा रहे थे। लांपुवा के पास दोनों गाड़ियां भिड़ गईं।

दोनों गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। रींगस थाना पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल भिजवाया।

स्टीयरिंग छोड़ पान मसाला मिला रहा था ड्राइवर

स्लीपर बस पलटी, दंपती सहित 3 की मौत

पत्नी का सिर धड़ से अलग, पति का पैर कटा

द अनकवर्ड अपडेट

जालोर। जालोर में नेशनल हाईवे पर स्लीपर बस पलट गई। इस हादसे में दंपती सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पत्नी का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि पति का पैर कट गया। इसके अलावा 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के समय अधिकतर यात्री गहरी नींद में थे। दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला गया।

रविवार देर रात करीब 11 बजे दुर्घटना अहोर थाना इलाके में गवरी गांव और गुड़ा बालोतान के बीच हुई। आरोप है कि बस ड्राइवर नशे में था। ड्राइविंग करते समय स्टीयरिंग को छोड़कर पान मसाला मिला रहा था। इस दौरान बस बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इसके बाद बस पलट गई। बस जालोर से करौली जा रही थी।

आहोर एसएचओ करण सिंह ने बताया- टीआर जाणी ट्रेवल्स की एक निजी बस रविवार शाम करीब 6 बजे सांचौर से रवाना हुई थी। बस जालोर, आहोर और जयपुर होते हुए करौली जा रही थी। रात करीब 11.30 बजे आहोर थाना क्षेत्र के अगवरी गांव और गुड़ा बालोतान के बीच बस तेज रफ्तार में नीम के पेड़ से टकरा गई और सड़क किनारे पलट गई।

सांचौर के लियादरा गांव निवासी फगलूराम (75) पुत्र हेमाराम बिश्नोई का पैर कटकर अलग हो गया। उनकी पत्नी हाऊ देवी (65) का सिर धड़ से कटकर अलग हो गया। दोनों के शव बुरी तरह बस से दब गए थे। भरतपुर निवासी अमृतलाल पुत्र खिलाड़ीलाल ने इलाज के दौरान जालोर के जनरल हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। फगलूराम अपनी पत्नी के साथ बेटे के परिवार से मिलने के लिए अजमेर जा रहे थे।

तीन क्रेनों से सीधी कराई गई बस

आहोर एसएचओ ने बताया- कि बस को सीधा करने के लिए तीन क्रेनों की मदद ली गई। इसके बाद घायलों को बाहर निकालकर आहोर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, 13 यात्रियों को गंभीर चोटें आई थीं। इनको आहोर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इसमें से दो गंभीर घायलों को जालोर रेफर किया गया थो। इनमें से भरतपुर के अमृतलाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

ड्राइवर पर नशे में बस चलाने का आरोप

बस में सवार यात्रियों ने बताया- बस को करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से ड्राइवर चला रहा था। यात्रियों ने ड्राइवर के शराब के नशे में होने का भी आरोप लगाया है। हादसे से कुछ दूर पहले एक होटल पर बस को रोकने का इशारा किया गया था, लेकिन तेज स्पीड होने के कारण बस नहीं रुकी।

राजस्थान-मध्यप्रदेश जल विवाद पर एमपी के सीएम मोहन यादव ने कहा-

'राजस्थान पाकिस्तान थोड़ी है, 5% नहीं, हम तो 7 प्रतिशत पानी भी दे देंगे, बहते पानी को कोई नहीं रोक सकता'

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान-मध्यप्रदेश जल विवाद पर एमपी के सीएम मोहन यादव ने कहा- पिछले 25 साल से राजस्थान के साथ झगड़ा चल रहा है कि इनको 5 प्रतिशत पानी क्यों दें? पानी नहीं देना चाहिए। कोई बोल रहा है देना चाहिए।

मोहन यादव ने कहा कि हम सरकार में आए। मैंने भजनलाल जी से बात की। भजनलाल शर्मा ने कहा- पानी को लेकर और उद्योग आदि के लिए दिक्कत है। पानी मिल जाएगा तो राजस्थान का भविष्य भी अच्छा हो जाएगा।

हमने कहा 5 प्रतिशत नहीं, हम तो 7 प्रतिशत भी दे देंगे। राजस्थान पाकिस्तान थोड़ी है। राजस्थान भी हमारा ही प्रदेश है। सीएम मोहन यादव राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट में बोल रहे थे।

राजस्थान और मध्य प्रदेश का रिश्ता भाई जैसा

जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में मोहन यादव ने कहा- राजस्थान तो वैसे भी हमारा सहोदर भाई है। राजस्थान और मध्य प्रदेश हमेशा से एक दूसरे की साझा संस्कृति के लिए जाने जाते हैं। इसलिए उत्तर भारत के राज्यों में आईटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स भी आएंगे। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकार साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने पॉलिसी और गवर्नेंस पर अपने विचार व्यक्त किए। सीएम मोहन यादव ने कहा- राजस्थान और मध्य प्रदेश परमात्मा की दया से साझा विरासतें हैं। नदियों के मामले में मध्य प्रदेश थोड़ा भाग्यशाली है। मध्य प्रदेश नदियों का लगभग मायका है। मध्य प्रदेश में 250 से ज्यादा नदियां हैं। लेकिन इस मामले में राजस्थान को थोड़ी कठिनाई है। ये परमात्मा की लीला है। उन्होंने कहा कि बहते पानी को कोई नहीं रोक सकता।

राजस्थान के 15 और मध्य प्रदेश के 13 जिले लाभान्वित हो रहे

मोहन यादव ने कहा- पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना, जिसका प्रधानमंत्री ने भूमि पूजन किया। कांग्रेस के जमाने से मामला लटकता आया था। राजस्थान में पानी की समस्या थी। मध्य प्रदेश के साथ भी बहते पानी को रोककर किसी व्यापारिक योजना में दिया जा रहा था। इस पर प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला। इसलिए हम पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के माध्यम से राजस्थान के 15 और मध्य प्रदेश के 13 जिले लाभान्वित हो रहे हैं। दोनों क्षेत्र में इस बड़ी योजना पर काम हो रहा है। मध्य प्रदेश एक नहीं बल्कि हमारे सभी राज्यों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा- केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से हम उत्तर प्रदेश के साथ काम कर रहे हैं। ताप्ती नदी के माध्यम से हम महाराष्ट्र के साथ काम कर रहे हैं। ऐसे कई सेक्टर में हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि राजस्थान के साथ हमारे संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी का यह था विवाद

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना (PKC-ERCP) यानी राम जल सेतु लिंक के लिए बांध बनाने और पानी बंटवारे को लेकर मध्य प्रदेश व राजस्थान के बीच विवाद था। राजस्थान सरकार का आरोप था कि 2005 में हुए समझौते के अनुसार बांध बनना था, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने एनओसी नहीं दी। राजस्थान सरकार ने ईआरसीपी को पूरा करने का निर्णय लिया। बांध बनना शुरू हुआ तो एमपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगा दी थी।

राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद से ईआरसीपी को लेकर कवायद तेज हो गई थी। जनवरी 2024 से पहले ईआरसीपी को लेकर दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय में अहम मीटिंग हुई थी। तत्कालीन केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में दोनों राज्यों के बीच ईआरसीपी को लेकर सहमति बनी थी। जनवरी 2024 में दिल्ली में गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमओयू साइन किया। 17 दिसंबर 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी ने जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी परियोजना का शिलान्यास किया।

चालक ने नहीं रोकी रोडवेज बस तो यात्री ने किया बस पर पथराव

पत्थर लगने से रोडवेज बस का शीशा टूटकर क्षतिग्रस्त, यात्रियों में अफरा-तफरी

वैशाली नगर डिपो की गोवर्धन वाया जनूथर नदबई की बस, ऐचेंरा के समीप घटना

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। नदबई-जनूथर सड़क मार्ग पर गांव ऐचेंरा के समीप सुबह करीब 6 बजे रोडवेज बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जब, ऐचेंरा के समीप रोडवेज बस नहीं रोकने पर यात्रियों ने रोडवेज बस पर पथराव कर दिया। पत्थर लगने से रोडवेज बस का शीशा टूटकर गिर गया। हालांकि, इस दौरान किसी भी यात्री को चोट नही लग सकी। रोडवेज बस-चालक ने घटना को लेकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की। बाद में यात्रियों को अतिरिक्त रोडवेज बस से रवाना किया गया।

विभागीय सूत्रों की मानें तो वैशाली नगर डिपो की गोवर्धन वाया जनूथर नदबई जयपुर रोडवेज बस चालक, जनूथर थाना क्षेत्र के गांव नाहरौली निवासी भरत सिंह पुत्र विरजी अपने साथी परिचालक के साथ गोवर्धन से सवारी लेकर जयपुर जा रहा। इसी दौरान ऐचेंरा के समीप यात्रियों ने बस रोकने का इशारा किया। लेकिन, यात्रियों से भरी बस होने के चलते चालक ने बस नही रोकी। इसी से गुस्साएं यात्रियों ने बस पर पत्थर फेकना शुरु कर दिया। सवारियों से भरी बस में पत्थर लगने के बाद बस का शीशा टूटकर गिरने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस दौरान किसी भी यात्री को चोट नही लगी। रोडवेज बस चालक-परिचालक ने घटना को लेकर पुलिस को सूचना देते हुए यात्रियों को अतिरिक्त रोडवेज बस की सहायता से गंतव्य की ओर रवाना किया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

दहेज नहीं देने पर विवाहित महिला को निकाला घर से

पीडिता ने दहेज में गाडी, एसी व इन्वर्टर मांगने का लगाया आरोप

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। नदबई क्षेत्र के गांव गुदावली निवासी सोनिया पुत्री धीरेन्द्र सिंह ने दहेज की मांग करते हुए मारपीट कर प्रताड़ित करने व घर से निकालने का आरोप लगाते हुए अपने पति सहित ससुरालजनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस के अनुसार पीडित महिला की 7 दिसम्बर 2020 में गीता कॉलोनी भरतपुर निवासी दलवीर सिंह से शादी हुई। शादी के बाद से ही ससुरालजन, दहेज में एक्सयूवी गाडी, इन्वर्टर व एसी की मांग करते हुए विवाहित महिला को प्रताड़ित करने लगे। बाद में 16 जुलाई को मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए पीडित महिला ने अपने पति दलवीर सिंह ससुर टोडरमल पुत्र श्यामलाल व ननद रचना के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया।

निःशुल्क (बाल एवं शिशु) स्वर्ण प्राशन अभियान

आयुर्वेद विभाग- राजस्थान सरकार

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। राजकीय एकीकृत आयुष चिकित्सालय, केंद्रीय विद्यालय के ठीक आगे, सुवाणा रोड, भीलवाड़ा में सुवर्णप्राशन अभियान के अंतर्गत 0 से 16 वर्ष के सभी बच्चों को इस माह 5 जनवरी 2026, सोमवार (सुबह 09:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक) स्वर्ण युक्त ड्राप पिलाकर निशुल्क स्वर्ण प्रशन कराया जाएगा यह एक प्राचीन आयुर्वेदिक प्रतिरक्षण प्रक्रिया है, इसमें स्वर्ण भस्म, ब्राम्ही, जटामांसी, शंखपुष्पी,गिलोय, मंडूक परिणी, यष्टिमधु,अश्वगंधा आदि अनेकों औषधियों का मिश्रण होता है। स्वर्ण प्राशन कराने से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और यह बच्चे एलर्जी,सर्दी जुकाम और अन्य बीमारियों से सामान्य बच्चों के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं।इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है,इनका पाचन तंत्र सुदृढ़ होकर भूख अच्छी लगती है।बच्चों का उचित शारीरिक व मानसिक विकास होकर उनके ओज व बल की वृद्धि होती है।

शीतकालीन अवकाश में भी सीख रहे हुनर, व्यावसायिक शिक्षा योजना से छात्र-छात्राएं बन रहे आत्मनिर्भर

द अनकवर्ड अपडेट

सूरौठ/टीकाराम शर्मा। व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा योजना के तहत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विजयपुरा के छात्र-छात्राएं शीतकालीन अवकाश का सदुपयोग करते हुए रोजगार से जुड़ी नई-नई विधाएं सीख रहे हैं। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल में दक्ष बनाकर आत्मनिर्भर बनाना है। विद्यालय के कक्षा 11 एवं 12 के छात्र-छात्राओं को ब्यूटी एंड वेलनेस तथा इलेक्ट्रिकल एवं हार्डवेयर ट्रेड में 10 दिवसीय ओजेटी (ऑन द जॉब ट्रेनिंग) एवं इंटर्नशिप कराई जा रही है। यह प्रशिक्षण 27 दिसंबर से 5 जनवरी तक आयोजित किया गया है। कक्षा 12 के विद्यार्थियों को पूजा ब्यूटी पार्लर तथा श्री अग्रसेन आईटीआई कॉलेज में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं कक्षा 11 के विद्यार्थियों को कंचन ब्यूटी पार्लर एवं महाराज आईटीआई कॉलेज में ओजेटी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी राजवीर भागोर एवं बृजेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि ब्यूटी एंड वेलनेस ट्रेड में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से हेयर कटिंग, फेशियल, वैक्सिंग, मसाज सहित सौंदर्य से जुड़ी विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को ग्राहकों से व्यवहार, उपकरणों का सही उपयोग तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसी प्रकार इलेक्ट्रिकल एवं हार्डवेयर ट्रेड के विद्यार्थियों को नवीन तकनीकों, विद्युत उपकरणों की मरम्मत, वायरिंग, हार्डवेयर संचालन तथा तकनीकी सुरक्षा मानकों की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण पूरी तरह व्यावहारिक होने से छात्र-छात्राओं को वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त हो रहा है। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे भविष्य में स्वरोजगार अथवा रोजगार के लिए बेहतर रूप से तैयार हो रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा योजना विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हो रही है।

नांगलशेरपुर-पथवारी सांथा सड़क निर्माण में लापरवाही, गिट्टियां उखड़ने से वाहन चालकों में आक्रोश

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान टोडाभीम करौली नांगलशेरपुर से पथवारी सांथा तक बन रहे 23 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग के निर्माण में गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। निर्माण कार्य के दौरान ही सड़क पर बिछाई गई गिट्टियां उखड़ने लगी हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। आमजन और वाहन चालकों को इस समस्या से रोजाना जूझना पड़ रहा है।जानकारी के अनुसार, इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 25 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। पिछले एक महीने से अधिक समय से ठेकेदार द्वारा गिट्टी और मोरम डालकर छोड़ दिया गया था, जिससे धूल-मिट्टी उड़ने से स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और राहगीरों को काफी परेशानी हुई। ग्रामीणों ने मोरम पर पानी न डालने के विरोध में प्रदर्शन भी किया था।अब निर्माण के बीच में ही गिट्टियां उखड़ रही हैं, जिसे ग्रामीणों ने एक बड़ी जन समस्या करार दिया है। भारतीय किसान यूनियन (राजस्थान) के प्रदेश महामंत्री बबलू मीना कमालपुरा ने इस मामले में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता युक्त सामग्री का प्रयोग किया जाए और कार्य की पूरी निगरानी हो।ग्राम पंचायत नांगलशेरपुर के ग्रामीणों ने भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से विशेष मॉनिटरिंग की मांग की है ताकि यह सड़क मजबूत और टिकाऊ बन सके। जारी कार्य की स्थिति पर विभाग का बयान इस संबंध में जब संवाददाता ने कार्यकारी अभियंता के.के. मीना से बात की तो उन्होंने बताया कि अभी नांगलशेरपुर से बालघाट के बीच का हिस्सा निर्माणाधीन है। सड़क पर अभी एक अंतिम परत बाकी है, जिसके बाद गिट्टियां नहीं उखड़ेंगी। फिर भी उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान गिट्टियां निकल रही हैं तो इसकी जांच की जाएगी। अभियंता ने आश्वासन दिया कि विभाग की विशेष निगरानी में गुणवत्ता युक्त सड़क का निर्माण करवाया जाएगा।

टोडाभीम को हराकर मेहंदीपुर बालाजी की टीम बनी चैंपियन

मैंन ऑफ दी मैच अन्नू सिंघल तथा मैंन ऑफ दी सीरीज पर चेतराम मीणा टोडाभीम ने जमाया कब्जा

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान टोडाभीम करौली। बालघाट समीपवर्ती गांव राजौली में 24 दिसंबर से जारेड़ा क्रिकेट क्लब राजौली के तत्वाधान में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता का सोमवार को हजारों दर्शकों की मौजूदगी के साथ समापन हुआ।फाइनल मुकाबला मेहंदीपुर बालाजी और टोडाभीम की टीम के बीच खेला गया।जिसमे मेहंदीपुर बालाजी की टीम ने टोडाभीम की टीम को 2 विकेट से पराजित कर प्रतियोगिता पर जीत दर्ज की।टोडाभीम टीम के कप्तान मनीष ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाए। जबाव में स्कोर का पीछा करते हुए मेहंदीपुर बालाजी टीम के कप्तान अंकित कौशिक के नेतृत्व में 14.4 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 96 रन बनाकर 2 विकेट से फाइनल मैच जीत लिया।आयोजन समिति द्वारा विजेता टीम के कप्तान अंकित कौशिक को 51 हजार रुपए और ट्रॉफी, उप विजेता टोडाभीम टीम के कप्तान मनीष को 21 हजार रुपए और ट्रॉफी तथा तृतीय विजेता उदयपुरा टीम को इक्यावन सौ रुपए और ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया।मैच के दौरान एम्पायर की भूमिका जवान,राधेश्याम और नीरज ने निभाई।कॉमेंटेटर की भूमिका बनी,पुशी,प्रेम बाबूजी,रॉकी तथा हंसराम मीणा ने अदा की।डिजिटल स्कोरर की भूमिका मोनू मीणा द्वारा प्रदर्शित की गई।इस दौरान आयोजन समिति के वरिष्ठ आईएसए हंसराम मीणा, रामनिवास,नरेश,ऋषिराज,सतीश शर्मा, नमोनारायण, बनी सिंह, नीरज, सुमेर, राधेश्याम, अतेश, केशव,गौरव,बद्री मीणा आदि गणमान्य मौजूद रहे।साथ ही दो लाख,इक्कीस हजार रुपए इनामी,ग्रीष्मकालीन डे नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता की राजौली के सभी ग्रामीणों ने घोषणा की गई।

जमीन विवाद, कार से कुचल कर षड्यंत्र पूर्वक हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा जिले के रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात एक सुनियोजित हत्या का मामला सामने आया। जमीन विवाद के चलते बाइक सवार रामनारायण जाट (42) की कार से टक्कर मारकर हत्या की गई थी। घटना का विवरण रायला थाना क्षेत्र के लांबिया निवासी रामनारायण जाट फार्म हाउस से लौट रहे थे। इसी दौरान कमलेश धाकड़ की कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रामनारायण को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों की प्रतिक्रिया परिजन इसे साधारण हादसा मानने से इनकार करते हुए इसे सुनियोजित हत्या बताया। मृतक के पिता लादूलाल ने कहा कि गांव के कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चल रही थी, जिसके चलते रेकी कर हत्या की योजना बनाई गई। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन अस्पताल मॉर्च्युरी के बाहर प्रदर्शन भी कर चुके हैं। पुलिस जांच में पता चला कि रामनारायण और भंवरलाल जाट के बीच जमीन को लेकर विवाद था। भंवरलाल का भांजा सत्यनारायण ने इस रंजिश को आगे बढ़ाते हुए हत्या की साजिश रची और अपने दोस्त कमलेश धाकड़ और मिट्ठूलाल जाट को इसमें शामिल किया। आरोपियों ने कमलेश की कार का इस्तेमाल कर रामनारायण की गतिविधियों की रेकी की। उन्हें पता चला कि वह लांबिया स्टेशन की तरफ गया और लौटेगा। रात करीब 9:30 बजे रास्ते में उन्हें रोककर कार से टक्कर मार दी गई, जिससे रामनारायण की मौत हो गई। पुलिस कार्रवाई पुलिस ने इसे गैर इरादतन नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या पाया। जांच में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। इसके अलावा, अन्य लोगों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है।

ये थे टीम मे शामिल

रायला थाना प्रभारी मूलचंद वर्मा साइबर सेल एएसआई आशीष कुमार, और कॉन्स्टेबल नारायणलाल, राजेश, रविंद्र, विक्रम, बनवारी और पिंटू चौधरी शामिल थे।

कुसुम गुप्ता को मिलेगा अन्तर राष्ट्रीय उत्कृष्टता सन्दर्भ अवार्ड

उद्योगपति ओमप्रकाश गुप्ता की है धर्म पत्नी

अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर (विष्णु मित्तल)। एसीटीडी,यूएसए द्वारा मान्यता ब्रैंडमैन इंडिया पी एंड पी 21आईईएमएस की ओर से नई दिल्ली स्थित 3 एफ सीएस 18 अंसल प्लाजा कॉर्पोरेट सुइट, वैशाली सेक्टर - 1, जीजेडबी 201010 पर 11 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्कृष्टता 26 सम्मेलन होगा,जिसमें में भुसावर के मूल निवासी एव हाल भरतपुर निवासी कुसुम गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता अचार वाले भुसावर का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्कृष्टता- 26 अवार्ड केलिए चयन हुआ है। श्रीमती गुप्ता ये अवार्ड प्राप्त होने पर राजस्थान राज्य सहित जिला भरतपुर का विश्व स्तरीय व्यापार जगत में नाम रोशन होगा। संस्था के प्रमुख विभाग अंकित कौशिक ने बताया कि एसीटीडी,यूएसए द्वारा मान्यता ब्रैंडमैन इंडिया पी एंड पी के द्वारा 11 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्कृष्टता 26 सम्मेलन होगा जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्कृष्टता के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अन्तर राष्ट्रीय उत्कृष्टता सन्दर्भ अवार्ड पुरस्कार - 2026 का [illegible] दर्पण नीति आयोग चयन प्रतिभाओं का सम्मान होगा और व्यापार स्तर के तहत विजन 2047 पर भी चर्चाएं होगी। जिस में सबसे प्रतिष्ठित उच्च बेंचमार्क भूमिका व2026 के खाद्य उद्योग में व्यवसायी महिला भुसावर के मूल निवासी एव हाल भरतपुर निवासी कुसुम गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता अचार वाले भुसावर का उक्त अवार्ड 26 से सम्मानित किया जाएगा।

बालघाट के लोगों ने पंचायत समिति के वार्ड पुनर्गठन में जिला कलेक्टर को जताई आपत्ति

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान टोडाभीम करौली/बालघाट। बालघाट कस्बे के पंचायत समिति के वार्ड 15 में ग्राम पंचायत कटारा अजीज एवं लपावली गावों के वार्डो को जोड़ने पर लोगों ने आपत्ति जताई है। जिला कलेक्टर को इस संबंध में ज्ञापन देकर लपावली और कटारा के वार्डो को हटाने की मांग की है। ग्रामीण सतीश कुमार बदलेटा, लहरी योगी, राधाकिशन मीणा, भरोसी माली, चिंटू गुप्ता, रामबाबू आदि ने बताया कि ग्राम पंचायत बालघाट में पर्याप्त जनसंख्या है बावजूद इसके वार्ड पुनर्गठन में 10 किलोमीटर दूर की पंचायतों को पंचायत समिति के वार्ड में जोड़ा गया है। जिसके कारण लोगों को परेशानी होगी, ग्रामीणों ने बताया कि यदि बालघाट के वार्ड 15में किसी वार्ड को जोड़ने की जरूरत भी महसूस होती है तो नजदी की गांव बदलेटा खुर्द से जोड़ा जा सकता था। ग्रामीणों ने इस संबंध में सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर समस्या का समाधान करवाने की मांग की है।

पतंजलि योग संस्थान का धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। पतंजलि संस्थान और संगठन का स्थापना दिवस भीम कस्बे के तेरापंथ सभा भवन में योग, सत्संग, यज्ञ, स्वदेशी एवं नशा मुक्ति संकल्प के साथ मनाया गया। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी भंवरलाल शर्मा एवं भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी भीमाराम ने भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण , दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत के साथ योग ,प्राणायाम कराये ,किसान सेवा समिति जिला प्रभारी धर्मपाल सिंह भारत स्वाभिमान सह प्रभारी रतन सिंह द्वारा पतंजलि की स्थापना एवं संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। भीम व्यापार महासंघ के अध्यक्ष बाबूलाल कोठारी वर्धमान स्थानक वासी सुरेश प्रकाश मेहता, विमल दक तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष गौरव भटेवरा, अमित संचेती पिंटू सांखला, सुदर्शन व्यास, कौशल त्रिपाठी, निहालचंद मेहता ,महेंद्र तथा विभिन्न तहसीलों की महिला प्रभारी आशा ,हर्षिता ,मंजू जोधावत सरोज, पूनम, लक्ष्मी, ममता का अतिथि के रूप में ऊपरना पहना कर अभिनंदन किया गया सभी योग साधकों ने स्वदेशी अपनाने एवं नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन पीएचडी योग साइंस डॉक्टर राजू वैष्णव ने किया।

जिले में फूड लाइसेंस रजिस्ट्रेशन हेतु शिविर का आयोजन 6 जनवरी को कृषि मंडी में किया जाएगा

शिविर में अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर व्यापारी अपना खाद्य लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन जरूर करावे

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक राजस्थान टी शुभमंगला के निर्देशानुसार राज्य सरकार के ''शुद्व आहार मिलावट पर वार अभियान'' के अन्तर्गत जिले में खाद्य व्यापार से जुड़े लोगों के लिए फूड लाइसेंस के बनाने के लिए जिला स्तर से लेकर उपखण्ड/तहसील एवं कस्बे स्तर तक 6 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। अभियान अवधि के दौरान जिले के व्यापारियों के लिए सीएमएचओ कार्यालय, भीलवाडा में प्रतिदिन कार्यालय समय पर खाद्य लाईसेन्स एवं रजिस्ट्रेशन का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा। शिविर के दौरान किराना, मिठाई, होटल, डेयरी, रेस्टोरेंट, हलवाई, कैटरिंग व्यापारियों फास्ट फूड, चाट, पकोड़ी, फल, सब्जी का ठेला, स्टॉल लगाने वाले विक्रेताओं के द्वारा आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे और उन्हें हाथों हाथ लाइसेंस रजिस्ट्रेशन जारी किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 रामकेश गुर्जर ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि सभी खाद्य कारोबारियों के फूड लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन के लिए 6 जनवरी से आयोजन किया जा रहा है। खाद्य लाईसेन्स हेतु रजिस्ट्रेशन अभियान से पूर्व व्यापक प्रचार प्रसार के माध्यम से कैम्प आयोजित होन वाले क्षेत्र के खाद्य कारोबारियों से सम्पर्क कर अपना लाईसेन्स व रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जिला कार्यालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण द्वारा इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सभी प्रकार के खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर अपना लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन बनवाएं। जिले में खाद्य लाईसेन्स एवं रजिस्ट्रेशन के लिए आगामी दिनों में उपखंड एवं कस्बों में खाद्य लाईसेन्स हेतु रजिस्ट्रेशन के कैंप का आयोजन किया जाएगा।

इन खाद्य कारोबारियों के लिये लाइसेंस जरूरी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत व्यापारियों को खाद्य कारोबार शुरू करने के लिए अपना फूड लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के समस्त खाद्य पदार्थ कारोबार से जुडे विक्रेताओं, निर्माताओं दूध उत्पादक थोक, फुटकर, फेरीवाले, केटरिंग, ट्रांसपोर्ट, फूड प्रोडक्शन विक्रय करने, मेडिकल स्टोर्स, स्वयं सहायता, अस्पताल, स्कूल, कॉलेजों में संचालित केंटीन, राजकीय व निजी वेयर हाउस, मदिरा दुकानें, दूध विक्रेता, डेयरी, चायपान, दुकान, फल, सब्जी मण्डी/अनाज मण्डी, मांस-अंडे विक्रेता, हाट बाजार में खाद्य कारोबार करने वाले सभी शिविर में या विभाग की ऑनलाईन वेबसाईट foscos.fssai.govt.in पर जाकर लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के लिए स्वयं ,कियोस्क अथवा इमित्र के द्वारा आवेदन कर सकते है ।

इन दस्तावेज की होगी आवश्यकता

उन्होंने बताया कि जिन व्यापारियों का टर्न ओवर 12 लाख वार्षिक से कम है उनका फूड रजिस्ट्रेशन जारी किया जाएगा। जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड की फोटोकॉपी और स्वयं की एक फोटो लानी होगी। जिनका टर्न ओवर 12 लाख वार्षिक से ज्यादा है उन्हें आधार कार्ड की कॉपी, बिजली का बिल, जी एस टी रजिस्ट्रेशन की कॉपी साथ हीं निर्माण इकाई के लिए पानी की रिपोर्ट, ब्लू प्रिन्ट, निर्धारित प्रारूप में स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र की प्रति एवं आवश्यक दस्तावेज साथ लानी होगी।

विश्व कल्याण एवं आरोग्यता हेतु, पतंजलि परिवार ने पथिक नगर बड़े पार्क में किया हवन

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। पतंजलि योगपीठ के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर पतंजलि परिवार भीलवाड़ा द्वारा आज पथिक नगर बड़े पार्क में संचालित योग कक्षा में विश्व कल्याण एवं आरोग्यता हेतु पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा विभिन्न हवन सामग्रियों के साथ गोबर से निर्मित हवन कुंड में समस्त देवी देवताओं के साथ गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र से आहुतियां देकर हवन किया गया। हवन के बाद भारत स्वाभिमान न्यास के जिला महामंत्री एवं पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य योग शिक्षक प्रेम शंकर जोशी ने सभी को नियमित योग प्राणायाम करने का संकल्प दिलाते हुए बताया कि पतंजलि योगपीठ द्वारा योग प्राणायाम के साथ-साथ हवन चिकित्सा प्रारंभ की गई है। जिसमें वैज्ञानिक रिसर्च के बाद विभिन्न प्रकार की हवन सामग्रीयों की आहुतियों से अलग-अलग प्रकार के रोगों का इलाज हो रहा हैं। आज विश्व कई प्रकार की व्याधियों से ग्रसित है। जिनका समाधान निश्चित ही नियमित योग ,प्राणायाम एवं हवन चिकित्सा से संभव हो सकता है। इस अवसर पर डॉक्टर ओमप्रकाश आगाल, कवि नरेंद्र वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य रेखा आगाल ,ज्योति आसनानी, योग साधक रतनलाल सोनी ने सभी उपस्थित लोगों को सर्दी से बचाव का आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाते हुए पार्क में नियमित प्रातः 6ः15 बजे से 7ः 30बजे तक संचालित निःशुल्क योग कक्षा में योग, प्राणायाम के साथ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों युक्त काढ़ा पीकर स्वास्थ्य लाभ लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर संतोष वर्मा,शिव कुमार पगारिया, जगदीश शर्मा आदि उपस्थित थे।

आक्रोशः सालिमपुर गांव को पंचायत समिति के बालघाट वार्ड में जोड़ने का विरोध, मतदान के बहिष्कार की चेतावनी

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान बालघाट करौली। ग्राम पंचायत कटारा अजीज के गांव सालिमपुर को पंचायत समिति के बालघाट वार्ड में जोड़ने का विरोध सामने आया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताकर एसडीएम को ज्ञापन दिया है। ग्रामीण भूर सिंह मास्टर, राजकुमार सोनी, शिव सिंह, राजेंद्र सिंह, रामोतार सैन आदि ने बताया कि गांव सालिमपुर पहले से ही ग्राम पंचायत कटारा अजीज में शामिल है लेकिन वर्तमान में पंचायत समिति के वार्ड का पुनर्गठन करते वक्त प्रशासन ने पंचायत समिति के वार्ड 15 बालघाट में जोड़ दिया है, जो लोगों की भावना के अनुरूप नहीं है, उन्होंने बताया कि उनके गांव से बालघाट की दूरी 12 किलोमीटर हैजबकि ग्राम पंचायत कटारा अजीज के लिए निर्धारित पंचायत समिति के वार्ड16 के मुख्यालय की दूरी उनसे महज 1 किलोमीटर है। ग्रामीणों ने बताया कि बालघाट आने-जाने के लिए गंभीर नदी बीच में पड़ती है जिसके कारण लोगों को आवागमन में भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने राजनैतिक द्वेषता वश उन्हें जबरन वार्ड नंबर 15 में जुड़वा दिया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में गांव में पंचायत एकत्रित कर प्रशासन के इस फैसले का विरोध दर्जकरवाया। इसके बाद दो दर्जन से ज्यादा ग्रामीण टोडाभीम एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां एसडीएम अमन चौधरी को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर उन्हें वापिस ग्राम पंचायत कटारा अजीज के वार्ड 16 में रखने का अनुरोध किया।

मतदान के बहिष्कार की चेतावनी

प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत कटारा अजीज के साथ उनका सामाजिक एवं भौगोलिक रूप से जुड़ाव है लेकिन जबरन उन्हें वार्ड नंबर 15 में जोड़ दिया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह प्रशासन की मनमर्जी का नतीजा है। जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें शीघ्र ही वार्ड नंबर 15 से हटाकर कटारा अजीज के वार्ड नंबर 16 में नहीं जोड़ा गया तो मजबूरन उन्हें आंदोलन करना पड़ेगा। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि उनकी समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आगामी पंचायत चुनावों में मतदान का बहिष्कार किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित

लंबित राजस्व प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारण करें अधिकारी - जिला कलक्टर

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि राजस्व अधिकारी गंभीरता के साथ राजस्व प्रकरणों का निस्तारण करें। यह बात उन्होंने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि राजस्व के लंबित प्रकरणों का प्रभावी तथा तय समय में निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक में राजस्व से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा कर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों को अधिक समय देकर कोर्ट केस के प्रकरणों के साथ ही रेवेन्यू परिवादों को भी जल्द निस्तारण करे तथा कन्वर्जन, नामांतरण आदि प्रकरणों को नियमित मॉनिटरिंग कर निस्तारित करें।

बैठक में जिले में भू-आवंटन, भू-रूपान्तरण और नामान्तरण सहित सभी तरह के राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की, साथ ही गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना के बारे में जानकारी ली।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन में दिए गए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाएं। इसी के साथ सीएमओ, सीएस कार्यालय, आयोग आदि से प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समुचित कार्यवाही करें साथ ही क्षेत्र में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के कार्यालयों का औचक निरीक्षण करें। कार्यालयों में ई-फाइलों का समुचित डिस्पोजल करें तथा एवरेज डिस्पोजल टाइम कम करें। संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ सेटिस्फेक्शन परसेंटेज बढाएं। कन्वर्जन से संबंधित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण किया जाए। इसी के साथ प्रोजेक्ट कार्यों में प्रगति लाएं तथा विभिन्न निर्माण में भूमि अधिग्रहण व प्रोजेक्ट कार्यों की मॉनिटरिंग करें।

इसके अतिरिक्त बैठक में राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरण, भू अभिलेख से संबंधित प्रकरण, सीमा ज्ञान, पत्थरगढ़ी, फसल कटाई प्रयोग से संबंधित प्रगति पर चर्चा हुई। इसके अलावा, ऑनलाइन भूमि सम्परिवर्तन, पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल में दर्ज प्रकरणों के निस्तारण, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि अवाप्ति से संबंधित लंबित प्रकरण, राजकीय कार्यालयों और संस्थाओं को भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए गए। राजस्व वसूली के प्रकरण, विधि अनुभाग, सहायता अनुभाग, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति, ई-फाइल की प्रगति, पंजीयन विभाग से संबंधित प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई और आगे की कार्रवाई के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रशासन रणजीत सिंह ने सभी अधिकारियों को सभी दिशा-निर्देशों की समुचित पालना कर प्रकरणों में प्रगति रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

प्रस्तावित सांध्यकालीन न्यायालय संचालन का विरोध किया

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, रेवेन्यू महासचिव मनोहर लाल बुनकर, कोषाध्यक्ष रवि गोरानी, सहसचिव आदित्य सिंह चौहान, पुस्तकालय सचिव प्रताप तेली के नेतृत्व मे अधिवक्ताओ ने मुख्य न्यायाधीश जोधपुर को जिला एवं सैशन न्यायाधीश के मार्फत ज्ञापन सौपकर प्रस्तावित सांध्यकालीन न्यायालय संचालन पर पुनर्विचार कर इसे जल्द बंद कराया जाना सुनिश्चित करने की मांग की है। अध्यक्ष राठौड़ ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि वर्तमान मे विचाराधीन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से सांध्यकालीन न्यायालय के संचालन की व्यवस्था की जा रही है। न्यायिक प्रक्रिया मे शीघ्रता का उद्देश्य निश्चित रूप से सराहनीय है किन्तु इस व्यवस्था के कारण अधिवक्ता एवं पक्षकारो को गंभीर व्यावहारिक सुरक्षा तथा संवेधानिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकांश पक्षकार एवं अधिवक्ता दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो एवं कस्बो से यात्रा कर न्यायालय आते है। सांध्यकालीन समय मे न्यायालय की कार्यवाही समाप्त होने पर यात्रा करनी पडती है और सडक दुर्घटनाओ की आशंका अत्यधिक बढ़ जाती है। सार्वजानिक परिवहन की उपलब्धता सिमित हो जाती है यह स्थिति जीवन एवं व्यक्तिगत सुरक्षा अनुच्छेद के अधिकार के प्रतिकूल है। जहा न्यायिक कर्मचारी एवं अधिकारी अवकाश ले सकते है वही अधिवक्ताओ के लिये कोई वेधानिक अवकाश व्यवस्था नहीं है, अनुपस्थिति पर प्रकरण की पैरवी प्रभावित होती है मुवक्कील के हितो को क्षति पहुँचती है अधिवक्ता न्यायालय के अधिकारी होते हुए भी इस व्यवस्था मे असमानता का शिकार हो रहे है। कार्य-जीवन संतुलन और पेशेगत गरिमा का प्रश्न अधिवक्ता सुबह से नियमित कार्यो मे संलग्न रहते है। सांध्यकालीन न्यायालय शारीरिक व मानसिक थकान बढ़ाता है तैयारी व शोध के समय को प्रभावित करता है अधिवक्ता की पेशेगत गरिमा के प्रतिकूल है बिना परामर्श के निर्णय प्राकृतिक न्याय के विपरीत सांध्यकालीन न्यायालय के संचालन से पूर्व अधिवक्ता समुदाय से समुचित परामर्श नहीं किया गया, अधिवक्ताओ की सहमति नहीं ली गई जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतो के विपरीत है। इसलिए सम्पूर्ण अधिवक्ता समुदाय प्रस्तावित सांध्यकालीन न्यायालय संचालन का पुरजोर विरोध करते है। ज्ञापन के दौरान विक्रम सिंह राठौड़, राजेंद्र कचौलिया, हेमेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, दुर्गेश शर्मा, मोहम्मद फ़रजन अशोक जैन, श्याम सिंह चुण्डावत, भूपेंद्र सिंह कानावत, बाबू लाल आचार्य, राकेश जैन, रामपाल शर्मा, उदयलाल बोराणा, गोपाल सोनी, पंकज शर्मा, नरेन्द्र सिंह राठौड़, युवराज चंदेल सहित कई अधिवक्तागण मौजूद रहे।

शीतलहर से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिले में शीतलहर के संभावित प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आमजन की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। आगामी शीतकालीन मौसम में प्रदेश के अधिकांश भागों में सामान्य से न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। ऐसे में संभावित शीतलहर के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुए जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार शीतलहर के प्रकोप से होने वाली क्षति को कम करने हेतु विभागीय एवं जिला स्तरीय निर्देशों एवं कार्ययोजना की प्रभावी अनुपालना के लिए जिले में विभाग, उपखण्ड एवं तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, साथ ही कार्य योजना एवं विभागवार दिशा निर्देश जारी किए गए है। शीत लहर से बचाव के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 01482-232671 है।

शीतलहर से पूर्व बरतें ये सावधानियां

शीतलहर से बचाव के लिए सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें। कपड़ों की कई परतें पहनना लाभदायक रहता है। आपातकालीन परिस्थितियों के लिए आवश्यक सामान पहले से तैयार रखें। उन्होंने बताया कि शीतदंश के लक्षण जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब एवं नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी अथवा पीलेपन के प्रति सतर्क रहें। शीतदंश से प्रभावित हिस्सों की मालिश न करें, इससे नुकसान बढ़ सकता है। प्रभावित हिस्सों को गुनगुने पानी में रखें। कंपकंपी को नजरअंदाज न करें, यह शरीर से तेजी से गर्मी निकलने का संकेत है। कंपकंपी महसूस होने पर तुरंत सुरक्षित स्थान या घर लौटें।

शीतलहर के दौरान अपनाएं सुरक्षित व्यवहार

शीतलहर के दौरान यथासंभव घर के अंदर ही रहें तथा ठंडी हवा से बचाव के लिए अनावश्यक यात्रा से परहेज करें। शरीर को सूखा रखें एवं यदि कपड़े गीले हो जाएं तो तुरंत बदलें, जिससे शरीर की उष्मा बनी रहे। उन्होंने कहा कि मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो, टेलीविजन एवं समाचार पत्रों के माध्यम से अपडेट रहें। नियमित रूप से गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें। विशेष रूप से बुजुर्गों एवं बच्चों का अतिरिक्त ध्यान रखें।

हाइपोथर्मिया की स्थिति में तुरंत करें ये उपाय

हाइपोथर्मिया की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तुरंत गर्म स्थान पर ले जाएं और सूखे कंबल, कपड़े, तौलिये अथवा चादरों से शरीर को गर्मी प्रदान करें। शरीर का तापमान बढ़ाने के लिए गर्म पेय दें, लेकिन मादक पेय न दें। आवश्यकता होने पर व्यक्ति को शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं।

सर्दी से राहत का महाअभियान, 6 हज़ार 585 वस्त्र वनवासी क्षेत्र में होंगे वितरित

करुणा, सेवा और सहयोग की जीवंत मिसाल बना हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर का सेवा अभियान

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर एवं हरी शेवा धर्मशाला के तत्वावधान में उदयपुर व बांसवाड़ा के वनवासी क्षेत्रों में सर्दी से राहत पहुंचाने हेतु सेवा कार्य निरंतर जारी है। इस महाअभियान के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों को स्वेटर, शॉल सहित कुल 6 हजार 585 वस्त्रों का वितरण किया जाएगा। यह सेवा कार्य महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। कार्यक्रम में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद, विवेकानंद केंद्र, मुस्कान फाउंडेशन तथा समाजसेवी हेमनदास भोजवानी उस्ताद का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। सभी संस्थाएं मिलकर सर्द मौसम में वनवासी परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने बताया कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र उपलब्ध कराना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक सतत प्रयास है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर संत मायाराम, संत राजाराम, संत गोविंदराम, ब्रह्मचारी इंद्रदेव, कुनाल, सिद्धार्थ, मिहिर सहित अनेक संतजन एवं सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद से रामप्रकाश अग्रवाल, जिला सचिव कैलाश नंदावत, जिला उपाध्यक्ष भागचंद बाहेती, महिला नगर अध्यक्ष मनीषा जाजू, महिला संरक्षिका पल्लवी वच्छानी, नगर अध्यक्ष गणेश काबरा, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी से भगवान सिंह, प्रतिमा गर्ग, किरण दीदी, सत्यम शर्मा, बलराज आचार्य, विभाग संघचालक चाँदमल सोमानी,लघु उद्योग भारती के प्रदेश संयुक्त महामंत्री रवीन्द्र जाजू, हेमंत वच्छानी, मुस्कान फाउंडेशन से जय गुरनानी, कन्हैया जगत्यानी, दीपक मेहता, राजू कीर, पुखराज कीर, सुरेंद्र खाती, सांवर कीर, हीरालाल गुरनानी, अम्बालाल नानकानी, ईश्वर आसनानी, हरीश राजवानी, मयंक एवं अमित खत्री सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

सेवा ही सच्ची साधनाः जरूरतमंदों के लिए संबल बना सर्दी राहत अभियान

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा कि हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर द्वारा संचालित सर्दी से राहत का यह महाअभियान जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल का कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में करुणा, सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं तथा मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे और अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभ मिलेगा।

सम्पादकीय

जादू-टोने के शक में जलते घर, बुझती जिंदगियां, आधुनिक भारत में अंधविश्वास का खौफनाक सच

प्रगति के कई सोपान पार करने के बावजूद भारत में अंधविश्वास की जड़ें गहरी हैं। इस देश की यह ऐसी स्याह तस्वीर है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती रही है। आए दिन जादू-टोने के अंधविश्वास में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी जाती है। यों देश के सभी हिस्सों से इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन पिछले कुछ समय के दौरान बिहार, झारखंड और असम में हुई ऐसी कई घटनाओं ने व्यापक चिंता पैदा की है। गौरतलब है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार रात हुई घटना ने एक बार फिर सबको झकझोर दिया है। वहां एक गांव के कुछ लोगों ने जादू-टोना किए जाने के संदेह में घर में घुस कर एक दंपति पर पहले धारदार हथियारों से हमला किया, फिर उनके घर में आग लगा दी। इससे पति-पत्नी की जल कर मौत हो गई। ग्रामीण इलाकों में जादू-टोने या डायन होने का आरोप लगा कर अक्सर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है और कई बार उन्हें मार भी दिया जाता है। हालांकि शहर भी अंधविश्वासों से मुक्त नहीं हैं। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो विकास के आधुनिक पैमानों को मुंह चिढ़ाती है, लेकिन इसके निवारण के लिए कभी ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखाई गई। हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में देश और दुनिया तकनीक के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में है, उसमें महज वहम या अंधविश्वास की वजह से कई लोग अपने परिवार के लोगों के बीमार होने पर डाक्टर से इलाज कराने के बजाय उसे किसी जादू-टोने का नतीजा मानते हैं। विकास के तमाम दावों के बीच यह हकीकत है कि देश में वैज्ञानिक चेतना के प्रसार को लेकर सरकारें कभी गंभीर नहीं रहीं। जबकि देश में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का दायित्व संवैधानिक तौर पर भी दर्ज है।

इस जिम्मेदारी का निर्वाह करने के बजाय सरकारें किसी घटना विशेष के संदर्भ में कानून की सीमा में कदम उठाती हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर वैज्ञानिक चेतना निर्माण को लेकर कोई ठोस योजना जमीन पर नहीं दिखती। अलग-अलग राज्यों में इस मसले पर बने कानून हैं, मगर लोगों के भीतर सोच के स्तर पर गहरे तक बैठा अंधविश्वास कानूनों के असर को बेमानी बना देता है।

विकसित भारत की राह के रोड़े, सरकारी दखल का होता है दुष्प्रभाव

संजय गुप्त।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नव वर्ष के आगमन के ठीक पहले पिछले वर्ष की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि देश अब रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार हो गया है। इसके उपरांत उन्होंने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित बहुआयामी मंच 'प्रगति' की बैठक में सड़क, रेलवे, बिजली, जल संसाधन और कोयला सहित विभिन्न क्षेत्रों की पांच महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की।

इस बैठक में उन्होंने देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार, प्रभावी क्रियान्वयन और व्यापक परिवर्तन बेहद जरूरी बताए। प्रधानमंत्री ने 2025 में किए गए जिन महत्वपूर्ण सुधारों का उल्लेख किया था, उनमें जीएसटी में व्यापक बदलाव, बीमा क्षेत्र में सौ प्रतिशत विदेशी पूंजी निवेश को अनुमति, ग्रामीण रोजगार कानून मनरेगा में आमूलचूल परिवर्तन और श्रम संहिताओं को लागू करने और परमाणु ऊर्जा से जुड़े सुधारों का उल्लेख किया।

नि:संदेह जीएसटी में सुधार से आम आदमी को लाभ मिला है, लेकिन अन्य सुधारों का लाभ मिलने में समय लगेगा। मोदी सरकार विभिन्न क्षेत्रों में लगातार सुधार करने के साथ नई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू करती रही है। इनके जरिये उसने सुशासन स्थापित करने की कोशिश की है ताकि जनता की समस्याओं का समाधान हो और देश तेजी के साथ आगे बढ़े।

इसमें संदेह नही कि प्रशासनिक कामकाज में सरकारी नियंत्रण कम होने और विभिन्न क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की भागीदारी से आम जनता को लाभ मिलता है, लेकिन यह भी सच है कि कोई भी देश सरकारी नियंत्रण के बिना नहीं चलता, लेकिन यह नियंत्रण एक सीमा तक ही होना चाहिए। अपने देश में सरकारी नियंत्रण कम करने की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन उनके अनुरूप कुछ ठोस होता हुआ नहीं दिखता और इसीलिए पश्चिमी देश अभी भी यह शिकायत करते हैं कि भारत में सरकारी नियंत्रण अधिक है।

वे इस नियंत्रण को सरकारी हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं। इसी तरह विदेशी निवेशक भी कारोबारी सुगमता में तमाम सुधार होने के बाद भी भारत में काम करने में बाधाएं देखते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां यह शिकायत करती ही रहती हैं कि भारत में कोई उद्योग-व्यापार स्थापित करना अभी भी कठिन बना हुआ है, क्योंकि कदम-कदम पर सरकारी अनुमति की आवश्यकता पड़ती है।

मोदी सरकार की ओर से पिछले 11 सालों में उद्योग-व्यापार स्थापित और उन्हें संचालित करने में सरकारी दखल को कम करने के तमाम कदम उठाए जाने के बाद भी स्थितियां वैसी नहीं बन सकी हैं, जैसी बननी चाहिए। इस मामले में बात केवल केंद्र सरकार की ही नहीं, राज्य सरकारों की भी है। देश के सभी राज्यों का रवैया उद्योग एवं व्यापार के बहुत अनुकूल नहीं कहा जा सकता और इसीलिए विकसित भारत के लक्ष्य में बाधाएं खड़ी हुई दिखती हैं।

यह एक तथ्य है कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए देश में जैसी कारोबारी सुगमता होनी चाहिए, वैसी नहीं है। कारोबारी सुगमता केवल होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि वह दिखनी भी चाहिए- खास तौर पर कारोबारियों को। इसी तरह सरकारी तंत्र को जन समस्याओं के समाधान में तत्पर दिखना चाहिए। अधिकांश मामले में इस तत्परता का अभाव ही दिखता है। नि:संदेह यह आशा की जा रही है कि इस नए वर्ष में भी सुधारों का सिलसिला कायम रहेगा। जनता और उद्योग-व्यापार जगत उन क्षेत्रों में सुधार की खास तौर पर उम्मीद कर रहा है, जहां उनकी गति धीमी है। बतौर उदाहरण शहरी ढांचे को ठीक करने के लिए जैसे कदम उठाए जाने आवश्यक हो गए हैं, उनमें देरी नहीं की जानी चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि नगर निकायों के कामकाज में अपेक्षित सुधार न होने से शहरी नागरिकों की समस्याएं दूर होने का नाम नहीं ले रही हैं। हमारे शहर आबादी के बोझ तले दब रहे हैं और उनका ढांचा चरमरा रहा है। बात चाहे सीपीडब्ल्यूडी की हो या पीडब्ल्यूडी की, वे ढंग की सड़कें भी नहीं बना पा रहे हैं। यही स्थिति नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अन्य विभागों की भी है। उनकी ओर से किए जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता ठीक नहीं हो पा रही है। उनके कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव भी व्याप्त है। यह तब है, जब सब जानते हैं कि शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं।

अपने देश में समस्या केवल सरकारी कामकाज में गुणवत्ता के अभाव की ही नहीं है। यह अभाव उद्योग-व्यापार जगत में भी देखने को मिलता है। यह समझा जाना चाहिए कि सरकारी और निजी क्षेत्र की कामकाज की गुणवत्ता ठीक करके ही विकसित भारत की नींव को मजबूत किया जा सकता है। जब सरकारी कामकाज दोयम दर्जे का होता है, तब उसका दुष्प्रभाव कहीं अधिक होता है, क्योंकि हर कहीं सरकारी दखल है और सरकारें सबसे बड़ी नियोक्ता हैं।

विडंबना यह है कि औसत सरकारी कर्मियों का काम न तो पारदर्शी ढंग से होता है और न ही जवाबदेही के साथ। गुणवत्ता को प्राथमिकता देने के बजाय जुगाड़ संस्कृति पर जोर दिया जाता है। दुर्भाग्य यह है कि देश में कम ही निजी उद्योग हैं, जहां गुणवत्ता और उत्पादकता को प्राथमिकता दी जाती है। यह एक तथ्य है कि भारत के बहुत कम उत्पाद विश्वस्तरीय गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। यदि सरकार अपने हर काम की गुणवत्ता ठीक करने को प्राथमिकता दे तो उसका प्रभाव निजी क्षेत्र पर भी पड़ेगा।

सरकारी क्षेत्र में अपेक्षित बदलाव तभी संभव है, जब देश की नौकरशाही के सोच में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। समस्या यह है कि फिलहाल सरकार के एजेंडे पर यह दिख नहीं रहा है। नौकरशाही में सुधार की जो प्रतीक्षा की जा रही है, वह इस नए वर्ष पूरी होनी चाहिए। नौकरशाही को अपने कामकाज के तौर-तरीकों के साथ अपनी मानसिकता भी बदलनी चाहिए। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि जनप्रतिनिधि भी अपने काम का तरीका और सोच बदलें। यह भी समय की मांग है कि आम जनता भी अपना कार्य-व्यवहार बदले।

उसे अपने अधिकारों के प्रति सचेत होने के साथ ही कर्तव्यों के प्रति भी सजग होना चाहिए। क्या कभी इसकी चर्चा होती है कि एक नागरिक के तौर पर हम अपने संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति कितने जागरूक हैं? देश के हर व्यक्ति को, चाहे वह सरकारी कर्मचारी हो या फिर कारोबारी या फिर श्रमिक अथवा अन्य कोई, अपना काम इस तरह करने के लिए तत्पर रहना चाहिए, जिससे विकसित भारत की नींव मजबूत हो।

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें।

लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते-बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी।

'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे। आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है। स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूं? मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजागृहों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं है? हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे?

इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे माता-पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई-बहनों पर नहीं डाला।

उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी बताया था उन्होंने कि 'पूजागृह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।'

सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैं? पहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग-अलग रास्ते!

जैन धर्म का एक सिद्धांत है? अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो। इतनी-सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। ईश्वर एक है फिर मेरा ईश्वर तुम्हारे ईश्वर से भिन्न या बेहतर कैसे हो सकता है? बस इतनी-सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग-अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता-पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज़ पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है तो वह यही है कि यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें।

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं-यहीं गड़बड़ हो रही है। हम अपनी आस्था की चिंता तो करते हैं पर दूसरे की आस्था को कुछ नहीं समझते। इसी का परिणाम है कि आज पंथ-निरपेक्षता में विश्वास करने वाले हमारे भारत में धर्म के नाम पर आये दिन झगड़े-फसाद होते रहते हैं। हमारा संविधान हर भारतीय को अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक क्रिया-कलाप की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यही

नहीं, हमारा संविधान हमें अपनी आस्था अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का भी अधिकार देता है।

शर्त सिर्फ यह है कि कोई नागरिक अपने अधिकार की सीमाओं को न लांघे। ये सीमाएं भी परिभाषित हैं हमारे संविधान में? सब नागरिक समान हैं, कोई नागरिक किसी दूसरे को अपने धर्म की ओर आकृष्ट करने के लिए किसी प्रकार का लालच अथवा दबाव काम में नहीं ले सकता। पर अक्सर हम अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं?और इसके लिए दोषी दूसरे को ठहराते हैं। धर्म के नाम पर आज जो गड़बड़ियां हो रही हैं, वे इसी अतिक्रमण का परिणाम हैं। ऐसे ही अतिक्रमण का उदाहरण इस बार क्रिसमस के अवसर पर दिखा। देश के अलग-अलग हिस्सों में चर्चों पर, ईसाइयों पर दुर्भाग्यपूर्ण प्रतिक्रिया हुई। दंगा करने वाले को यह भी स्वीकार नहीं था कि सांताक्लाज की टोपियां बेचकर कोई अपना पेट भरने के लिए कुछ कमा ले। हद तो यह भी हुई कि चर्चों के सामने जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया! क्रिसमस के आयोजनों के संदर्भ में हुए विवाद और झगड़े हैरान भी करते हैं और दुखी भी। एक ओर तो हमारे प्रधानमंत्री क्रिसमस के अवसर पर चर्च में जाकर ईसाइयों की पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं, धार्मिक भाईचारे का संदेश देने का प्रयास करते हैं, और दूसरी ओर कुछ कथित धार्मिक संगठन क्रिसमस के रंग में भंग डालने का खुलेआम अपराध करते हैं। ऐसे कुकृत्य के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिन्हें देखकर हर विवेकशील नागरिक को शर्म आ जाये। शर्म आनी चाहिए कहना, ज़्यादा सही होगा।

हमारा भारत, बहुधर्मी है, बहु जातीय और बहुभाषी भी। यह विविधता हमारी विशेषता ही नहीं, हमारी ताकत भी है। इस विविधता पर अभिमान होना चाहिए हमें। पर धर्म के नाम पर जिस तरह एक-दूसरे को नीचा दिखाने या कम भारतीय समझने की गतिविधियां हो रही हैं, उन्हें देखकर सिर्फ यही कहा जा सकता है कि 'हे ईश्वर, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं, इन्हें क्षमा कर देना'। ईश्वर तो क्षमा कर भी देगा, पर हमारी अपनी चेतना जब तक हमें बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित नहीं करेगी, हम सही अर्थों में इंसान नहीं बन सकते। अब हमें तय करना होगा कि हम बेहतर इंसान बनना चाहते हैं या नहीं।

आयुर्वेद की उपादेयता पर मंथन, नवग्रह वेलनेस से प्रदेश को मिलेगा लाभ

पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनोर ने श्रीनवग्रह आश्रम सेवा संस्थान अध्यक्ष से आयुर्वेद व स्वास्थ्य सेवाओं पर की सार्थक चर्चा

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनोर ने सोमवार को श्रीनवग्रह आश्रम सेवा संस्थान के अध्यक्ष वैद्य हंसराज चोधरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच समकालीन स्वास्थ्य चुनौतियों, जीवनशैली जनित रोगों तथा आज के दौर में आयुर्वेद की बढ़ती उपादेयता पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

मुलाकात के अवसर पर वैद्य हंसराज चोधरी ने आश्रम द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण ग्रंथ 'आयुष्मान भव' एवं 'स्वास्थ्य की रसोई' पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनोर को भेंट किए। पुस्तकों के माध्यम से आयुर्वेदिक जीवनशैली, संतुलित आहार और रोग निवारण के सरल उपायों पर प्रकाश डाला गया है।

पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनोर ने कहा कि बीते चार वर्षों में देशभर में सनातन काल से चली आ रही आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा आयुष मंत्रालय के माध्यम से आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

वैद्य हंसराज चोधरी ने इस अवसर पर जानकारी दी कि नवग्रह वेलनेस का संचालन प्रारंभ किया गया है, जिसके लिए राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच एमओयू संपन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि इस पहल से भीलवाड़ा जिले सहित पूरे प्रदेश के नागरिकों को समग्र एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। इस मुलाकात ने आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम बताया।

जिला परिषद वार्ड परिसीमन पर आपत्ति

ग्रामीणों ने कलेक्टर से की संशोधन की मांग

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिला परिषद के नव-परिसीमन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष सामने आया है। करोडी और पिलोड़ी ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने जिला परिषद के वार्ड निर्धारण पर आपत्ति जताते हुए जिला कलेक्टर दौसा को ज्ञापन सौंपा है।ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में वार्ड संख्या 17 में शामिल करोडी और पिलोड़ी पंचायतों को नव-निर्मित जिला परिषद वार्ड संख्या 21 में सम्मिलित कर दिया गया है, जो भौगोलिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित पंचायतों की दूरी लगभग 25 किलोमीटर से अधिक होने के कारण प्रशासनिक कार्यों और आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है करोडी और पिलोड़ी पंचायतों को पुनः नव-निर्मित वार्ड संख्या 22 में सम्मिलित किया जाए, ताकि भौगोलिक संतुलन बना रहे और आमजन को राहत मिल सके।ज्ञापन पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। प्रतिलिपि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा संबंधित उपखंड अधिकारी को भी दी गई है। प्रशासन की ओर से मामले पर विचार करने का आश्वासन दिए जाने की बात कही जा रही है।इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य मेघराम नांदरी, बनवारी लाल मीणा सरपंच चांदेरा , रमन शिमला जिला अध्यक्ष एसटी मोर्चा, राम हरि करोड़ी मंडल अध्यक्ष बालाजी, माखनलाल मीणा सुरेर , प्रहलाद धवन, विनोद पिलोड़ी , मुरारी मीणा करोड़ी, राम जीवन करोड़ी ,अशोक सुरेर , ओमप्रकाश नाहरखोर्रा, राजेश सीकरी, प्रीति सिंह पाडली सरपंच, अर्चना पिलोड़ी ,राजाराम सरपंच पिलोड़ी आदि मौजूद थे।

कोल्ड वेव के चलते बड़ा फैसला, कक्षा प्री-प्राइमरी से 8वीं तक का अवकाश आज और कल

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। भीषण शीतलहर (कोल्ड वेव) को देखते हुए जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर के निर्देश पर जिले में प्री-प्राइमरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है।जारी आदेश के अनुसार यह अवकाश सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों पर लागू रहेगा। हालांकि, विद्यालयों का शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ पूर्ववत उपस्थिति देगा।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय बच्चों को ठंड से होने वाली संभावित बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

पांच दिवसीय फूल प्रदर्शनी का आयोजन 10 जनवरी से

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। प्लॉट लवर सोसायटी द्वारा 10 जनवरी से 14 जनवरी तक भीलवाड़ा में पांच दिवसीय फूल प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। उद्घाटन समारोह 10 जनवरी को प्रातः 10 बजे गणमान्य संतों के कर-कमलों द्वारा होगा। प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात 10 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। बच्चों के लिए दोपहर 1 बजे तक विशेष समय निर्धारित किया गया है।

मीडिया प्रभारी कैलाश सोनी और पंकज मिश्रा ने बताया कि प्रेस वार्ता में अध्यक्ष सुनील चौधरी, सचिव प्रियंका सोमानी, कोषाध्यक्ष राकेश तिवारी और विशेष आमंत्रित राजकुमार बंब ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रतियोगिताएँ और आकर्षण

प्रतियोगिताओं में फूलों की रंगोली, कंटेनर गार्डनिंग और पुष्प सज्जा शामिल हैं। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, छत पर सब्जियों का गार्डन (लगभग 600 वर्ग फुट) तैयार किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधों की जानकारी और सलाह दी जाएगी।

विशेष आकर्षण में बोन्साई उद्यान, सक्युलेंट उद्यान, औषधीय उद्यान और मौसमी फूलों के पौधे शामिल हैं। नासिक, पुणे और अन्य स्थानों से लाए गए पौधोंकी भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

500 स्कूलों को कार्यक्रम की सूचना दी गई है, जिनमें से 50 से अधिक स्कूलों से संपर्क किया गया। आठ स्कूलों के बच्चे भी पुष्प प्रदर्शनी में भाग लेंगे।

इस प्रदर्शनी में जीएसएलवी एमके-III (LVM-3) प्रक्षेपण रॉकेट की संरचना मुख्य आकर्षण रहेगी। उद्घाटन दिवस 10 जनवरी को ड्रीम्स रॉकस्टार बैंड, जयपुर का म्यूज़िकल शो भी आयोजित किया जाएगा।

प्रदर्शनी के अंतिम दिन संगीतमय योगासन का आयोजन होगा। विवेकानंद केंद्र के तहत 500 बालिकाओं द्वारा सूर्य नमस्कार प्रदर्शन और 11 बालिकाओं द्वारा वन्देमातरम का गायन कार्यक्रम में प्रस्तुत किया जाएगा।

फ्लावर शो के आयोजकों ने भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे आयोजनों के लिए टीम बनाने और रूपरेखा तैयार करने की योजना भी बनाई है।

कड़ाके की ठंड व शीत लहर के चलते विद्यालयों मे अवकाश घोषित

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिले में बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने छोटे बच्चों के लिए राहत भरा फैसला लिया है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने एक आधिकारिक आदेश जारी कर जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है। स्कूलों में यह अवकाश 06 जनवरी से 08 जनवरी 2026 (गुरुवार) तक प्रभावी रहेगा। जिले में संचालित सभी राजकीय (सरकारी) एवं निजी विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा, केवल विद्यार्थियों के लिए- आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अवकाश केवल कक्षा 01 से 08 तक के विद्यार्थियों के लिए है। विद्यालय का स्टाफ पूर्व की भांति स्कूल में उपस्थित रहेगा।

मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान और जिले में लगातार बढ़ रही ठंड व शीतलहर को देखते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया है। जिला कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत यह कदम उठाया है।

अवहेलना पर होगी कार्रवाई

प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जो भी विद्यालय इस आदेश की अवहेलना करेंगे, उनके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन माह पुराने अपहरण केस का पर्दाफाश, युवक सकुशल बरामद, चार आरोपी दबोचे, स्विफ्ट कार जब्त

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिले के थाना कोलवा क्षेत्र में तीन माह पूर्व हुए अपहरण के सनसनीखेज मामले का जिला पुलिस ने खुलासा कर दिया है। कड़ी मशक्कत और तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने अपहृत युवक को सुरक्षित दस्तयाब करते हुए अपहरण की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार को भी जब्त किया गया है।मामले के अनुसार 3 अक्टूबर 2025 को लोकेश सैनी ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसके भाई सुनील सैनी का अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर लिया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर मामले को गंभीरता से लिया और विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की।जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमन्त कलाल (आईपीएस) के सुपरविजन में थाना अधिकारी रामशरण के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के सहारे लगातार दबिशें दीं।लगभग तीन माह की गहन जांच के बाद पुलिस ने अपहृत सुनील सैनी को सकुशल बरामद कर लिया। इसके साथ ही अपहरण की साजिश में शामिल चार आरोपियों– राहुल मीणा, निवासी कालाखेड़ा, राजाराम गुर्जर, निवासी सिंगपुरा , अभिषेक मीणा, निवासी पालनहेडा व विष्णु सैनी, निवासी रामपाल की ढाणी नन्देरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक को जबरन स्विफ्ट कार में बैठाकर ले गए थे। पूछताछ में अपराध से जुड़े अहम सुराग हाथ लगने की उम्मीद जताई जा रही है। मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता और अपहरण के पीछे की वजहों की जांच जारी है।घटना के खुलासे से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है, वहीं पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने आमजन से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत देने की अपील की है।

विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग को लेकर जांगिड़ ब्राह्मण महासभा का प्रदर्शन

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में सोमवार को विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय, दौसा पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम अपर जिला कलेक्टर (एडीएम) अरविंद शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान में जांगिड़ सुथार समाज की बड़ी आबादी निवास करती है, जिनके आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा हैं। जांगिड़ सुथार समाज के अतिरिक्त स्वर्णकार, लोहार, पांचाल, कुमावत, ठठेरा , मूर्तिकार सहित अन्य अनेक शिल्पकार जातियां भी भगवान विश्वकर्मा की पूजा करती हैं।महासभा ने अवगत कराया कि न केवल शिल्प जातियां, बल्कि समस्त सरकारी एवं निजी प्रतिष्ठानों, कारखानों और फैक्ट्रियों में कार्यरत मजदूर, मिस्त्री, तकनीशियन एवं इंजीनियर भी किसी भी नए कार्य के शुभारंभ से पूर्व भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में विश्वकर्मा जयंती पर ऐच्छिक अवकाश घोषित है, लेकिन समाज की लंबे समय से यह मांग रही है कि इस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि राज्य सरकार द्वारा अन्य समाजों के आराध्य देवों की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए गए हैं, लेकिन विश्वकर्मा जयंती को लेकर अब तक मांग की उपेक्षा की गई है, जिससे समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। समय-समय पर आश्वासन मिलने के बावजूद मांग पूरी नहीं होने से समाज स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है।महासभा ने राज्य सरकार से मांग की कि समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।इस अवसर पर बड़ी संख्या में जांगिड़ समाज के लोग मौजूद रहे।

श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्ति संध्या के पोस्टर का विमोचन

विशाल श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्ति संध्या 18 जनवरी को, भीलवाड़ा के प्रमुख कलाकार देंगे भजनो की हाजिरी

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। धर्मनगरी भीलवाड़ा के समस्त श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्तों के द्वारा शहर में महामंगलकारी सर्व कष्ट निवारक श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ भगवान और श्री नाकोड़ा भैरव देव की चल प्रतिमा लायी गई हैं। इसके आगमन की खुशी में नववर्ष 2026 की प्रथम महाभक्ति का 18 जनवरी रविवार को किया जा रहा है। इसकी तैयारियों के लिए सभी कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को श्री सम्भवनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर बापूनगर उपासरे में हुई। इसमें भक्ति संध्या को भव्य रूप देने हेतु विस्तार से चर्चा की गयी ओर सभी से सुझाव भी लिए गए। बैठक में बताया गया कि भक्ति की धारा प्रवाहित करने वाले भीलवाड़ा शहर के सभी प्रमुख भजन गायक कलाकार पहली बार एक साथ एक मंच पर अपनी हाजिरी देने के लिए उपस्थित होंगे। इन भजन गायकों में गणेश सुराणा (लंकेश), मनीष सोनी, निशा हिंगड़, नाहर सिस्टर्स शामिल हैं जो नाकोड़ा भैरव की स्तुति में भजनो की प्रस्तुति देंगे। साथ ही संगीतकार भोलू गन्धर्व की पूरी टीम और श्री कृष्णा साउंड के द्वारा भी सहयोग रहेगा। बैठक में भजन संध्या आयोजन की व्यापक तैयारियों हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर भक्तों को अलग अलग दायित्व सौंपे गए। बैठक में मनीष बाफना, गुणवंत जैन, दिनेश गोलेछा, दर्शन तातेड़, गौरव डागा, रतन रांका, रतन संचेती, सुनील कर्णावट, विवेक खाब्या, जम्बू कोठारी, पंकज कोठारी, सचिन चपलोत, दिलीप जैन, पवन लोढ़ा, संदीप खमेसरा, नवीन नाहर, संयम कर्णावट, अग्रज बिराणी, संजय लोढ़ा, युग कावड़िया, संयम कर्णावट, लोकेश कर्णावट, मोनू सिंघवी, रोहित कर्णावट, कुलदीप गुगलिया सहित कई भक्तगण उपस्थित रहे। आयोजन समिति के मनीष बाफना एवं सभी सदस्यों ने सभी भक्तगणों से भक्ति संध्या में सपरिवार पधारने का आग्रह किया है। इस आयोजन को लेकर नाकोड़ा भैरव के भक्तों में उत्साह का माहौल बन गया है।

कोहरे के कारण सड़क हादसा

सड़क किनारे खड़े लकड़ी से भरे जुगाड़ से टकराई सवारियों से भरी निजी बस, हादसे में 5 जने गंभीर घायल

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिले के लालसोट क्षेत्र में शुक्रवार सुबह कोहरे के कारण एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कल्याणपुरा बगड़ी टोल के समीप सड़क किनारे खड़े लकड़ी से भरे जुगाड़ में सवारियों से भरी निजी बस के टकरा जाने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।बताया जा रहा है कि निजी बस सवाई माधोपुर से लालसोट की ओर आ रही थी। घने कोहरे के कारण बस चालक को सड़क पर खड़ा जुगाड़ दिखाई नहीं दिया और बस उससे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।हादसे की सूचना मिलते ही मंडावरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को लालसोट अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पांच घायलों की हालत गंभीर होने पर उपचार किया गया। इनमें से प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रामबास चित्रवादा कला में सड़क निर्माण में भारी अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों में रोष

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिले की ग्राम पंचायत रामबास चित्रवादा कला में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में बजरी के स्थान पर मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्रामीणों के अनुसार यह कार्य ग्राम पंचायत सरपंच दुर्गा प्रसाद मीणा एवं संबंधित कार्यकर्ताओं की मिलीभगत से किया जा रहा है। जब ग्रामीणों ने घटिया निर्माण को लेकर विरोध जताया तो किसी भी जिम्मेदार द्वारा उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच से फोन पर संपर्क करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जिम्मेदार लोग यह कहकर दबाव बना रहे हैं कि ÷जिसे शिकायत करनी है कर दो, ऊपर तक जानकारी है÷, जिससे आमजन में भय का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने मौके पर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य को नहीं रोका गया।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की तत्काल जांच करवाई जाए, मानक के अनुसार सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

जनभागीदारी एवं सहयोग से होगा सेना दिवस परेड का ऐतिहासिक आयोजन

सेना दिवस परेड के आयोजन की तैयारियां तेज, वर्गों से सहभागिता का आह्वान

जिला कलक्टर ने व्यापारिक, औद्योगिक एवं सामाजिक संगठनों से सहभागिता की अपील

कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को हुआ बैठक का आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित होने जा रही सेना दिवस परेड-2026 के दिव्य, भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस संबंध में सोमवार को आयोजित समन्वय बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने व्यापार संघों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग और व्यापक भागीदारी का आह्वान किया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जयपुर में होने वाले सभी बड़े आयोजनों में व्यापार एवं सामाजिक संगठनों की भूमिका सदैव अहम रही है। जिला प्रशासन को हर अवसर पर इन संगठनों का सक्रिय समर्थन और सहयोग प्राप्त होता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेना दिवस परेडङ्क2026 के दौरान भी सभी संघ-संगठन अपने-अपने स्तर पर योगदान देंगे और आयोजन को सफल बनाने में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की सेना के शौर्य, अनुशासन और बलिदान के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं में राष्ट्र प्रेम, अनुशासन और देश सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया जाएगा। ऐसे में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। बैठक में जयपुर व्यापार संघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि राजधानी जयपुर में सेना दिवस परेड का भूतो ना भविष्यति आयोजन प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि व्यापार एवं औद्योगिक संगठनों की ओर से आयोजन में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही व्यापार संघ आम नागरिकों को भी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग सेना के पराक्रम से रूबरू हो सकें। बैठक में आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि 9, 11, 13 एवं 15 जनवरी को जगतपुरा स्थित महल रोड पर प्रातः 7 बजे से सेना दिवस परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सेना के विभिन्न दलों द्वारा पराक्रम, अनुशासन और कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं 10 एवं 15 जनवरी को सायं 4ऱ30 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैन्य बैंड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और साहसिक प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अतिरिक्त 9 जनवरी से 12 जनवरी तक सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में प्रातः 9ऱ30 बजे से सायं 6 बजे तक 'अपनी सेना को जानिए' कार्यक्रम एवं अत्याधुनिक हथियार प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को भारतीय सेना की कार्यप्रणाली, आधुनिक उपकरणों एवं रक्षा क्षमताओं की जानकारी दी जाएगी। बैठक में महासंघ के महासचिव सुरेश सैनी, सेंट्रल स्पाइन व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन सिंह सहित विभिन्न व्यापार संघों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आयोजन में सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड, युगांतर शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, जनसुविधाओं एवं आमजन की सहभागिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सेना दिवस परेड-2026 के कार्यक्रमों में सहभागी बनें और भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान को नमन करते हुए आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 'ब्रिजिंग सिलिकॉन वैली एंड भारत थ्रू डीप टेक' सत्र

एडवांस कंप्यूटिंग के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ वैश्विक केंद्र बन रहा भारत

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के दूसरे दिन सोमवार को मुख्य हॉल में फायरसाइड चैट के दौरान श्रीमती अनिता मनवानी, प्रेसिडेंट टाई सिलिकॉन वैली ने 'ब्रिजिंग सिलिकॉन वैली एंड भारत थ्रू डीप टेक' विषय पर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एनवीडिया शंकर त्रिवेदी से विस्तृत चर्चा की। फायरसाइड चैट के दौरान त्रिवेदी ने कहा कि भारत आज डीप टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और एडवांस कंप्यूटिंग के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ वैश्विक केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की युवा प्रतिभा, मजबूत इंजीनियरिंग बेस और बढ़ता डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर डीप टेक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे तकनीकी परिवर्तनों में भारत की भूमिका अब केवल एक उपभोक्ता देश तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि भारत नवाचार, अनुसंधान और उन्नत तकनीक के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। त्रिवेदी ने कहा कि स्टार्टअप संस्कृति, सरकार की नीतिगत पहल और निजी क्षेत्र की भागीदारी ने मिलकर डीप टेक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं पैदा की हैं, जिससे भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगा। फायरसाइड चैट के दौरान उपस्थित उद्योग जगत के प्रतिनिधि, स्टार्टअप संस्थापक और युवा उपस्थित रहे।

बी एस रावत राजस्थान उत्तराखंड सभा राजस्थान प्रदेश के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान उत्तराखंड सभा राजस्थान प्रदेश के निर्विरोध मुख्य पदाधिकारियों को चुना गया। सभा प्रदेश संरक्षक टी सी पाठक चेयरमैन किड्स क्लब स्कूल की अध्यक्षता और चुनाव अधिकारी धीरज सिंह नेगी, सह चुनाव अधिकारी प्रदीप सिंह तराडी की उपस्थिति में निर्विरोध सम्पन्न हुए। सभा प्रदेश अध्यक्ष - बी एस रावत, चैयरमैन रावत ग्रुप ऑफ एज्युकेशन, प्रदेश महासचिव एडवोकेट प्रहलाद सिंह अधिकारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय सिंह नेगी, प्रदेश प्रवक्ता और संगठन मंत्री आनन्द पांडे, जयपुर जिला अध्यक्ष सुनील जोशी चुने गए। संरक्षक टी सी पाठक ने चुनाव अधिकारी एवं उपस्थित सदस्यों एवं चुनी गई कार्यकारिणी, प्रकोष्ठ पदाधिकारियों को बधाई व धन्यवाद देते हुए कहा कि जिस प्रकार सभा का स्लोगन सेवा - समर्पण - सहयोग है हमने उसी अनुरूप समाज में हर वर्ग, हर क्षेत्र में आगामी कार्य करने है। साथ ही प्रदेश की सभी जिलों की कार्यकारणी को भी साथ लेकर जिलों में भी संस्कृति, बोली और भाषा के लिए अनेक कार्य करने है।

अध्यक्ष रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा संगठन प्रदेश के हर जिले में उत्तराखंड के सभी संगठनों के साथ मिलकर प्रदेश में मानवीय सेवा के कार्य, अपनी संस्कृति, बोली, भाषा हेतु अग्रणीय संस्था का रोल निभायेगी।

महासचिव प्रहलाद सिंह अधिकारी ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत उद्बोधन में सभा की रूप रेखा, सभा द्वारा किए गए समाजहित के कार्य रक्तदान, ब्रक्षारोपण, सफाई अभियान, मेडिकल कैंप आदि का जिग्र किया और उसके समाज को हुऐ लाभ बताए। संगठन मंत्री एवं प्रवक्ता आनन्द पांडे ने बताया कि संगठन की मजबूती उसके पदाधिकारियों की सोच और उनके विचारों पर निर्भर करती है। संगठन के उद्देश्य, संगठन के लक्ष्य एवं संगठन की रूप रेखा से ही उसे मजबूत किया जा सकता है। साथ ही संगठन में हमारी जिम्मेदारी आदि पर भी चर्चा की गई। सभा आगे निकट भविष्य में एक जुट, एक मूट रहकर अपना परिचय अपने कार्यो से देकर संगठन को मजबूत बनाया जायेगा।

मुख्य पदाधिकारियों के अलावा सभी जिलों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारीयों की नव-नियुक्ति की गई। नव नियुक्ति में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष भुवनेश ढोंढियाल, प्रदेश सचिव हिमांशु शर्मा, हयात सिंह, प्रदीप तरारी, प्रचार प्रसार मंत्री सोमेश शर्मा, प्रदेश महिला अध्यक्षा बीना पंत, महासचिव ज्योति नेगी, युवा प्रकोष्ठ पुरुष अध्यक्ष पूरन सिंह, महासचिव बृजमोहन सिंह नेगी, खेल प्रकोष्ठ मंत्री परमेश सिंह चौहान, सांस्कृतिक मंत्री कला खोलिया, महासचिव विक्रम भंडारी, जयपुर जिला अध्यक्ष सुनील जोशी, महासचिव कुलदीप सिंह नेगी, गंगानगर अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सकलानी, महासचिव रामपाल सिंह रावत, हनुमानगढ़ अध्यक्ष , महासचिव नंदू फुलारा, उदयपुर अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, महासचिव रमेश जोशी, कोटा अध्यक्ष नाहर सिंह किरौला, महासचिव संकर सिंह अधिकारी, बीकानेर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी, महासचिव शिवदत्त कांडपाल, अलवर अध्यक्ष राजेंद्र नेगी, महासचिव सुरेंद्र मेहरा, पाली अध्यक्ष तरुण जोशी, सीकर अध्यक्ष त्रिलोचन त्रिपाठी, महासचिव मनोरमा थपलियाल, झुंझुनूं अध्यक्ष सत्रुधन सिंह, महासचिव ललित सिंह रावत, नागौर अध्यक्ष मोहन सिंह अधिकारी के साथ साथ अन्य करीब 50 पदाधिकारियों, 15 क्षेत्र प्रमुखों को एक साथ माला पहनाकर शपथ दिलाई गई। इसके अलावा सभा के संरक्षक मंडल सदस्यों में प्रदेश संरक्षक टी सी पाठक, महिला प्रकोष्ठ गोदावरी कांडपाल, प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ दयाकृष्ण कांडपाल, जयपुर जिला धीरज सिंह नेगी, युवा प्रकोष्ठ नरेंद्र सिंह रावत, जयपुर जिला महिला प्रकोष्ठ कांता कोरंगा को बनाया गया। सभा द्वारा समाज के लोगों हेतु एक सहयोग प्रकोष्ठ ÷हम है ना÷ का गठन किया गया है जिसके माध्यम से चाहे समाज से हो या अन्य किसी भी दीन दुखी, पीड़ित, जरूरतबंद, अपेक्षाकृत की सहायता की जायेगी। इस प्रकोष्ठ में सभा प्रदेश अध्यक्ष के अलावा सभा के सभी प्रकोष्ठों के मुख्य पदाधिकारी सामिल होकर सहयोग में तत्पर रहेंगे। प्रदेश में सभा निम्न प्रकोष्ठों के सहयोग से मानव सेवा, समाज उत्थान के कार्य में अग्रसर रहेगी जो इस प्रकार से है - सभा प्रदेश पदाधिकारी (मुख्य कार्यकारणी), प्रदेश जिला इकाइयां, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश स्पोर्ट्स प्रकोष्ठ, प्रदेश युवा महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश युवा पुरुष प्रकोष्ठ, जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एवं जिला महिला प्रकोष्ठ। ज्ञात रहे राजस्थान उत्तराखंड सभा राजस्थान प्रदेश पिछले कई सालों से अन्य जिलों गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, कोटा, सीकर, उदयपुर, अलवर, झुंझुनूं, पाली, चितौड़गढ़ एवं नागौर की कार्यकारणी के सहयोग से समाज सेवा और संस्कृति संवर्धन के क्षेत्र में अनेक कार्य करते आई है। आगे भी सभा के सलोगन सेवा, सहयोग और समर्पण के अनुरूप रक्तदान, वृक्षारोपण, सफाई अभियान, वस्त्रदान कार्यक्रम, परिंदों को परिंडा जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे। आपके सम्मानित समाचार पत्र में सादर प्रकाशनार्थ हेतु।

जनभागीदारी एवं सहयोग से होगा सेना दिवस परेड का ऐतिहासिक आयोजन

सेना दिवस परेड के आयोजन की तैयारियां तेज, वर्गों से सहभागिता का आह्वान

जिला कलक्टर ने व्यापारिक, औद्योगिक एवं सामाजिक संगठनों से सहभागिता की अपील

कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को हुआ बैठक का आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित होने जा रही सेना दिवस परेडङ्क2026 के दिव्य, भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस संबंध में सोमवार को आयोजित समन्वय बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने व्यापार संघों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग और व्यापक भागीदारी का आह्वान किया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जयपुर में होने वाले सभी बड़े आयोजनों में व्यापार एवं सामाजिक संगठनों की भूमिका सदैव अहम रही है। जिला प्रशासन को हर अवसर पर इन संगठनों का सक्रिय समर्थन और सहयोग प्राप्त होता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेना दिवस परेड-2026 के दौरान भी सभी संघ-संगठन अपने-अपने स्तर पर योगदान देंगे और आयोजन को सफल बनाने में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की सेना के शौर्य, अनुशासन और बलिदान के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और देश सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया जाएगा। ऐसे में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। बैठक में जयपुर व्यापार संघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि राजधानी जयपुर में सेना दिवस परेड का भूतो ना भविष्यति आयोजन प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि व्यापार एवं औद्योगिक संगठनों की ओर से आयोजन में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही व्यापार संघ आम नागरिकों को भी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग सेना के पराक्रम से रूबरू हो सकें। बैठक में आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि 9, 11, 13 एवं 15 जनवरी को जगतपुरा स्थित महल रोड पर प्रातः 7 बजे से सेना दिवस परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सेना के विभिन्न दलों द्वारा पराक्रम, अनुशासन और कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं 10 एवं 15 जनवरी को सायं 4:30 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैन्य बैंड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और साहसिक प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अतिरिक्त 9 जनवरी से 12 जनवरी तक सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में प्रातः 9ऱ30 बजे से सायं 6 बजे तक 'अपनी सेना को जानिए' कार्यक्रम एवं अत्याधुनिक हथियार प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को भारतीय सेना की कार्यप्रणाली, आधुनिक उपकरणों एवं रक्षा क्षमताओं की जानकारी दी जाएगी। बैठक में महासंघ के महासचिव सुरेश सैनी, सेंट्रल स्पाइन व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन सिंह सहित विभिन्न व्यापार संघों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आयोजन में सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड, युगांतर शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, जनसुविधाओं एवं आमजन की सहभागिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सेना दिवस परेड-2026 के कार्यक्रमों में सहभागी बनें और भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान को नमन करते हुए आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

मुख्य सचिव ने की समीक्षा: पीएम-कुसुम में मार्च 2026 तक विकसित करें 3 हजार मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं, राजस्थान विकेन्द्रित सौर ऊर्जा का हब बनकर उभरा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि किसानों को सस्ती एवं सर्वसुलभ सौर ऊर्जा से जोड़ने की दृष्टि से पीएम-कुसुम योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजस्थान डिस्कॉम्स को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन को और गति प्रदान करते हुए आवंटित लक्ष्यों को चरणबद्ध रूप से हासिल करने की कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि मार्च-2026 तक 3 हजार मेगावाट की परियोजनाएं विकसित की जाएं।

मुख्य सचिव ने सोमवार को शासन सचिवालय में पीएम-कुसुम योजना तथा विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में विगत समय में राजस्थान विकेन्द्रित सौर ऊर्जा का हब बनकर उभरा है। कुसुम कम्पोनेंट-ए में सर्वाधिक क्षमता की विकेन्द्रित सौर परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में राजस्थान देश में दूसरा अग्रणी राज्य बन गया है। डिस्कॉम्स दोनों ही घटकों में प्रदेश को सिरमौर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने के लक्ष्य के साथ जुटें। मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस योजना के माध्यम से आज प्रदेश में 1 लाख 75 हजार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली सुलभ हो रही है और प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके जरिए प्रदेश के सौर ऊर्जा क्षेत्र में 40 हजार करोड़ का निवेश होने जा रहा है जो कि निश्चय ही अभूतपूर्व उपलब्धि है।

मुख्य सचिव ने कहा कि कम्पोनेंट-ए में भारत सरकार द्वारा आवंटित 5250 मेगावाट तथा कम्पोनेंट-सी में 5367 मेगावाट के स्वीकृत लक्ष्यों पर आगे बढ़ते हुए दोनों घटकों में कुल 10 हजार 634 मेगावाट क्षमता के बिजली खरीद अनुबंध सम्पादित किए जा चुके हैं। उन्होंने इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द स्थापित करने पर जोर दिया।

बढ़ती सर्दी एवं शीतलहर को देखते हुए राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में अवकाश

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किये आदेश

5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक अवकाश

6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश

द अनकवर्ड अपडेट

कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर
www.jaipur.rajasthan.gov.in

क्रमांक : विकास/शिक्षा/2025/01 दिनांक: 5/1/2026

आदेश

मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जयपुर जिले में शीतलहर और बढती हुई ठण्ड के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए जयपुर जिले में संचालित राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा प्री-प्राइमरी से कक्षा 05 तक के विद्यार्थियों का दिनांक 06.01.2026 से दिनांक 10.01.2026 तक एवं कक्षा 06 से कक्षा 08 तक के विद्यार्थियों का दिनांक 06.01.2026 से दिनांक 08.01.2026 तक अवकाश घोषित किया जाता है। समस्त शिक्षकगण विद्यालय में नियमित उपस्थित रहेंगे तथा परीक्षाएं यथावत संचालित रहेंगी।

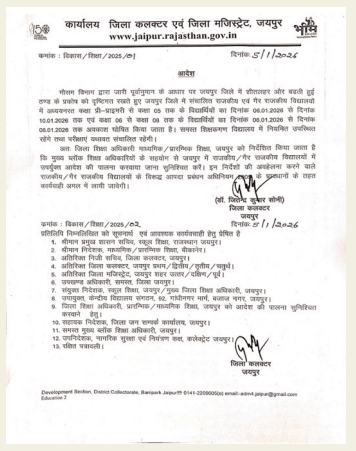

अतः जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा, जयपुर को निर्देशित किया जाता है कि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से जयपुर में राजकीय/गैर राजकीय विद्यालयों में उपर्युक्त आदेश की पालना करवाया जाना सुनिश्चित करें। इन निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय/गैर राजकीय विद्यालयों के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

(डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी)
जिला कलक्टर
जयपुर

क्रमांक : विकास/शिक्षा/2025/02 दिनांक: 5/1/2026

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है
1. श्रीमान प्रमुख शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान जयपुर।
2. श्रीमान निदेशक, माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर।
3. अतिरिक्त निजी सचिव, जिला कलक्टर, जयपुर।
4. अतिरिक्त जिला कलक्टर, जयपुर प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ।
5. अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर शहर उत्तर/दक्षिण/पूर्व।
6. उपखण्ड अधिकारी, समस्त, जिला जयपुर।
7. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, जयपुर/मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जयपुर।
8. उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 92, गांधीनगर मार्ग, बजाज नगर, जयपुर।
9. जिला शिक्षा अधिकारी, प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा, जयपुर को आदेश की पालना सुनिश्चित करवाने हेतु।
10. सहायक निदेशक, जिला जन सम्पर्क कार्यालय, जयपुर।
11. समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जयपुर।
12. उपनिदेशक, नागरिक सुरक्षा एवं नियंत्रण कक्ष, कलेक्ट्रेट जयपुर।
13. रक्षित पत्रावली।

जिला कलक्टर
जयपुर

Development Section, District Collectorate, Banipark Jaipur 0141-2209005(o) email:-adm4.jaipur@gmail.com
Education 2

जयपुर। शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी के दृष्टिगत जयपुर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक एवं 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अवकाश के आदेश जारी किये हैं।

मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीतलहर एवं बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए यह आदेश जारी किये गए हैं। उक्त दिनांक पर अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए लागू रहेगा तथा समस्त स्टाफ के शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही परीक्षाएं भी यथावत संचालित होगी।

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा जयपुर को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियें के सहयोग से जयपुर में राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। आदेशों की अवहेलना होने की स्थिति में संबंधित राजकीय अथवा गैर राजकीय विद्यालय के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के? प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने AI IMPACT समिट भारत 2026 का किया अवलोकन, राज्य और देश के विश्लेषण में एआई का उपयोग जरूरी- देवनानी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन भारत 2026 के अंतर्गत आयोजित राजस्थान क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन 2026 एआई का लोकतंत्रीकरण कार्यक्रम में सहभागिता प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह शिखर सम्मेलन एआई, युवा और जिम्मेदार नागरिक के विषय के साथ जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी), जयपुर में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर देवनानी ने विरासत स्मारकों की त्रि-आयामी वर्चुअल यात्रा के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत किए जाने की सराहना की। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से आमेर किला, अल्बर्ट हॉल, सिटी पैलेस जयपुर, श्रीनाथ जी के दर्शन, सिटी पैलेस उदयपुर, जंतर-मंतर, हवा महल तथा कुम्भलगढ़ दुर्ग का अत्यंत जीवंत एवं निकट से अनुभव किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसा प्रभावी उपकरण है, जिसका उपयोग वर्तमान समय में अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था (गवर्नेंस) में भी एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा राज्य और देश से जुड़े विषयों का विश्लेषण एआई के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि उसकी वास्तविक उपयोगिता को सामने लाया जा सके।

उन्होंने कहा कि एआई एक तकनीकी प्रणाली है, जो उसे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर ही परिणाम प्रस्तुत करती है। ऐसे में हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम एआई को सौ प्रतिशत सही, प्रामाणिक एवं तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वह हमें सटीक, विश्वसनीय और उपयोगी परिणाम प्रदान कर सके।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा दे रही है लेकिन पूर्ण सावधानी के साथ। उन्होंने कहा कि शिक्षक, विद्यार्थी एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग एआई के माध्यम से अपनी आवश्यकताओं एवं कार्यों को अधिक सरलता से पूर्ण कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से एक विशाल राज्य है, ऐसे में एआई जैसी आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों को अधिक सहज और प्रभावी बनाया जा सकता है। वर्तमान में शैक्षणिक संस्थान एवं विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र एआई का उपयोग कर रहे हैं, और यह प्रक्रिया डिजिटलीकरण का ही एक अभिन्न अंग है।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री भी इस विषय को गंभीरता से लेकर आगे बढ़ने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। एआई के नियमन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक नीतिगत निर्णयों, नियमों एवं अध्यादेशों पर भी विचार किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि एआई के उपयोग के साथ-साथ डेटा सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार का डेटा लीक नहीं होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहां पहले केवल चित्रों का दुरुपयोग होता था, वहीं अब आवाज़ की पहचान जैसी चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं, इसलिए वॉयस डेटा की सुरक्षा के प्रति भी विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि उद्योगपति एआई के माध्यम से अपनी कौशल क्षमता (स्किल) को बढ़ा सकते हैं लेकिन इसके लिए यह भी जरूरी है कि राजस्थान में और अधिक डेटा सेंटर तथा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ, ताकि एआई का उपयोग सही दिशा में और प्रभावी रूप से किया जा सके।

उन्होंने कहा कि एआई को आम जनता तक पहुँचाना आवश्यक है और राजस्थान सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जाए।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत और राजस्थान कभी पीछे नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो भावनाओं और मानवीय मूल्यों से जुड़ा हुआ है, इसलिए हमें यह गंभीरता से विचार करना होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कितना, कहां और किस उद्देश्य से किया जाए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में एआई का उपयोग भिन्न-भिन्न तरीकों से किया जा रहा है, किंतु भारत को अपनी सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप एआई का उपयोग तय करना होगा।

देवनानी ने कहा कि एआई के माध्यम से नए स्टार्टअप शुरू किए जा सकते हैं, लेकिन यह भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि एआई के माध्यम से कौन-सी जानकारी बच्चों तक पहुँचे और कौन-सी जानकारी आमजन के लिए उपयुक्त हो, इस पर विशेष रूप से विचार किया जाए।

उन्होंने कहा कि एआई के उपयोग के साथ-साथ सुरक्षा (सिक्योरिटी) सर्वोपरि होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि एआई का उपयोग राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हो, जहां डेटा सुरक्षा भी बनी रहे और राष्ट्रहित भी सुरक्षित रहे।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को मिली 40 दिन की पैरोल

एजेंसी

रोहतक। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर से 40 दिन की पैरोल मिली है। राम रहीम जेल से 15 वीं बार बाहर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि चालीस दिन दौरान राम रहीम सिरसा स्थित डेरे में रहेंगे। रविवार को डेरा प्रमुख राम रहीम को प्रशासन की तरफ से 40 दिन की पैरोल दी गई है। सुरक्षा को देखते हुए जेल परिसर में अतिरिक्त प्रबंध किये गए है। पिछले दिनों राम रहीम की पैरोल को लेकर पत्रकार रामचन्द्र छत्रपति के बेटे अंशुल ने भी सवाल उठाए थे कि राम रहीम कोई सामान्य कैदी नहीं है, वह एक हार्डकोर क्रिमिनल कैदी है। सरकार ने उच्च न्यायालय ेक बताया था कि राम रहीम को जेल नियमानुसार पैरोल दी जा रही है। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को पैरोल मिलने की खबर मिलते ही डेरा अनुयायियों में खुशी की लहर दौड़ गई। जनवरी महीने में डेरा के दूसरे गुरु शाह सतनाम जी महाराज का जन्म माह है। हर वर्ष 25 जनवरी को डेरा में इस अवसर पर भव्य आयोजन होता है। डेरा प्रमुख को पैरोल दिए जाने के बाद सिरसा में उनके आगमन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

न्यायमूर्ति ए. मोहम्मद मुश्ताक बने सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल ने शपथ दिलाई

गंगटोक। न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुश्ताक ने सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली है। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने आज राजधानी के लोक भवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में सिक्किम उच्च न्यायालय के नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुश्ताक को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। लोक भवन की आशीर्वाद हॉल में हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह

तमांग, सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष एमएन शेरपा और उपाध्यक्ष राज कुमारी थापा, सिक्किम उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदार राई, न्यायाधीश न्यायमूर्ति भास्कर राज प्रधान, मंत्रीगण, विधायकगण तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इससे पहले, सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव आर. तेलांग ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुश्ताक की नियुक्ति अधिसूचना और वारंट पढ़ा। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा उपस्थित गणमान्य लोगों ने नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश को बधाई दी। केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुश्ताक ने आज से सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभाल लिया है। वे सिक्किम उच्च न्यायालय के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विश्वनाथ सोमद्दर की जगह लेंगे। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम उच्च न्यायालय के नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुश्ताक के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पर खुशी जताई है। उन्होंने आज सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट में न्यायमूर्ति मुश्ताक को अपनी शुभकामनाएं दीं है।

प्रधानमंत्री मोदी 17 जनवरी को पहुंचेंगे गुवाहाटी, बागुरुम्बा नृत्य से होंगे रूबरू

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में 17 जनवरी को पारंपरिक बागुरुम्बा नृत्य का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस आयोजन की तैयारियां चिरांग जिले में जोर-शोर से चल रही हैं। काजलगांव और बिजनी क्षेत्रों से करीब 600 नर्तक कलाकार इस विशेष प्रस्तुति के लिए लगातार अभ्यास में जुटे हुए हैं। कलाकार समन्वित और आकर्षक प्रस्तुति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रधानमंत्री सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों के समक्ष असम की जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेगा।

महिलाओं के कारण सुरक्षित है धर्म, पुरुषों को चाहिए महिलाओं को अवसर दें : डॉ. भागवत

एजेंसी

भोपाल। जब हम सभ्य समाज की बात करते हैं तो उसमें महिलाओं की भूमिका स्वतः ही केंद्रीय हो जाती है। हमारा धर्म, हमारी संस्कृति और हमारी सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के कारण ही सुरक्षित है। अब वह समय चला गया जब महिलाओं को सुरक्षा की दृष्टि से घर तक सीमित रखा जाता था। आज परिवार और समाज दोनों को स्त्री और पुरुष मिलकर आगे बढ़ाते हैं, इसलिए दोनों का प्रबोधन आवश्यक है। पुरुषों को चाहि?ए महिलाओं को अवसर दें। उक?त बातें संघ सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहीं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से भोपाल में आयोजित 'स्त्री शक्ति संवाद' कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस दौरान शिवनेरी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मंच पर प्रांत संघचालक अशोक पांडेय एवं विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर उपस्थित रहे। संवाद का वातावरण गंभीर, विचारोत्तेजक और

आत्ममंथन से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम का मूल भाव 'नारी तू ही नारायणी' था।अपने पाथेय में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा, 'महिलाओं का सशक्तिकरण, उन्हें अवसर देना और उनका वैचारिक प्रबोधन आज की आवश्यकता है। यह प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और समाज के हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं, किंतु इसे और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। ' यहां उन्होंने लव जिहाद जैसे विषयों पर भी गंभीरता के साथ अपनी बात प्रमुखता के साथ स्त्री शक्ति के बीच रखी। डॉ. भागवत ने कहा कि इसकी रोकथाम के प्रयास सबसे पहले हमारे अपने घरों और परिवारों से शुरू होने चाहिए। यह विचार करना होगा कि हमारे परिवार की बेटी किसी अपरिचित के बहकावे में कैसे आ गई। उन्होंने इसका एक बड़ा कारण आपसी संवाद की कमी को बताया। जब परिवार में नियमित संवाद होगा तो धर्म, संस्कृति और परंपरा के प्रति गौरव स्वाभाविक रूप से विकसित होगा। उन्होंने कहा, 'इसके लिए तीन स्तरों पर प्रयास आवश्यक हैं। पहला, परिवार के भीतर निरंतर संवाद। दूसरा, बच्चियों को सावधानी और आत्मरक्षा का संस्कार देना। तीसरा, इस प्रकार के अपराध करने वालों के विरुद्ध प्रभावी निस्तारण। समाज में कार्यरत संस्थाओं को ऐसी गतिविधियों की जानकारी रखनी चाहिए और समाज को सामूहिक प्रतिकार के लिए खड़ा होना होगा, तभी समाधान निकलेगा। 'लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न के संदर्भ में डॉ. भागवत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिमी समाज में महिला का स्थान विवाह के बाद तय होता है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इन मुलाकातों की तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी गई। दोनों ने राष्ट्रपति से अलग-अलग मुलाकात की। राष्ट्रपति ने दोनों से भेंट के दौरान उनके विचार सुने और संबंधित विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट कर बताया कि नई दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट कर छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को राज्य के जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार तथा राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया।

देश दासत्व की मानसिकता छोड़ आगे बढ़ रहा है : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नागपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत अब 'मैकाले मानसिकता' से बाहर निकलकर अपनी संस्कृति, आत्म सम्मान और स्वाभिमान को आगे बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

प्रधान ने यह बयान नागपुर स्थित भोंसला मिलिट्री स्कूल के 27वें वार्षिक समारोह में शामिल होने के दौरान दिया। उन्होंने इस अवसर पर मानव सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान टी.बी. मैकाले द्वारा लागू की गई शिक्षा नीति का उद्देश्य देश को मानसिक रूप से कमजोर बनाए रखना था। इसके विकल्प के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के तहत वर्ष 2020 में लागू नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी की भावना को जागृत करती है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री प्रधान ने नागपुर स्थित दीक्षाभूमि का दौरा कर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब के विचार, संघर्ष और देश के प्रति योगदान सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार

ने बाबासाहेब से जुड़े स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित किया है। प्रधान ने बाद में डॉ. आबाजी थत्ते सेवा एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा स्थापित 'नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट' (एनसीआई) का भी दौरा किया। उन्होंने इस संस्थान की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह कम लागत में कैंसर रोगियों को मानवीय और समग्र उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। अपने नागपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री ने स्मृति मंदिर का दौरा कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन युगद्रष्टाओं के त्याग और निःस्वार्थ सेवा ने देश के युवाओं को राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की प्रेरणा दी है।

शीर्ष कमांडर देवा समेत 20 नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

एजेंसी

हैदराबाद। माओवादियों के शीर्ष कमांडर बरसे देवा ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। देवा के साथ तेलंगाना के अहम लीडर कंकनाला राजी रेड्डी और उनकी पत्नी ने भी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। उनके समूह में 48 और माओवादी हैं। माओवादियों के इस आत्मसमर्पण के वजह से माओवादी पार्टी की 41 केंद्रीय समिति सदस्य अब घटकर चार रह गई है। आत्मसमर्पण के दौरान 48 एलएमजी और 20 लाख रुपये नकदी बरामद हुई। यह समूह दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय रहकर पिछले कई वर्षों से सुरक्षाबलों के लिए सिरदर्द बना हुआ था। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में सिर्फ़ एक राज्य कमेटी सदस्य बचा है। आज का आत्म समर्पण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आह्वान पर किया गया। उन्होंने कहा कि बरसे देवा ने माओवादी पार्टी को हथियार आपूर्ति करने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि इस सरेंडर के साथ ही पूरी पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी बटालियन खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को राज्य और केंद्र सरकार की राहत एवं पुनर्वास नीति के तहत कुल 1.82 करोड़ रुपये की पात्र इनामी राशि दी जाएगी। तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग ने आश्वासन दिया है कि सभी आत्मसमर्पित कैडरों को उनके सभी अधिकार और लाभ शीघ्र उपलब्ध

कराए जाएंगे, ताकि वे सम्मान और सुरक्षा के साथ अपना नया जीवन शुरू कर सकें। बारसे देवा ने 2000 में माओवादी आंदोलन में कदम रखा था। 2003 तक उसने छत्तीसगढ़ के पुव्वारथी में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ के लिए काम किया। दिसंबर 2022 में वह दंडकारण्य विशेष ज़ोनल समिति के सदस्य बने और जून 2023 में उन्हें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी का बटालियन कमांडर नियुक्त किया गया।

भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी ने अमित शाह को लिखा पत्र, सुरक्षा मुहैया कराने की मांग

एजेंसी

कर्नाटक। कर्नाटक के बेल्लारी जिले के भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्रीय सुरक्षा बलों से सहायता की मांग की है। पत्र में विधायक जनार्दन रेड्डी ने बताया कि उनका जन्म और पालन-पोषण बेल्लारी में हुआ है। मैं बेल्लारी जिले का जिला भाजपा अध्यक्ष, एमएलसी और भाजपा सरकार में पर्यटन मंत्री भी रह चुका हूं। फिलहाल वह गंगावती निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हैं और पार्टी को कर्नाटक की सत्ता में वापस लाने के लिए कार्य कर रहे हैं। जनार्दन रेड्डी ने आरोप लगाया कि

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी उनके खिलाफ साजिश कर रही है। वह राज्य के विभिन्न हिस्सों में भाजपा के समर्थन में रैलियां और जनसभाएं आयोजित कर रहे हैं, जिससे कांग्रेस पार्टी के नेताओं में असंतोष और घबराहट पैदा हो रही है। बेल्लारी के वर्तमान कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी के खिलाफ भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2026 को बेल्लारी में एक हिंसक घटना के दौरान नारा भरत रेड्डी के समर्थकों ने उनके घर के पास हमला किया। नारा भरत रेड्डी के गुंडों ने गोलीबारी की, जिससे राजा शेखर नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। विधायक ने इस घटना को उनके जीवन के लिए बड़ा खतरा बताया और आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। जनार्दन रेड्डी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि राज्य सरकार उनकी सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है, इसलिए उन्होंने केंद्रीय बलों से सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उन्हें अपने जीवन की रक्षा का अधिकार है।

मेरी जान को बहुत खतरा है। राज्य में कांग्रेस पार्टी का शासन है, कानून व्यवस्था उनके नियंत्रण में है और सबसे खराब स्थिति में है। राज्य पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के निर्देशों का पालन करने के लिए मजबूर है।

ज्ञान-धर्म इतिहास का दृष्टिकोण 'दक्षिण से उत्तर' हो: सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि देश के लोगों को ज्ञान और धर्म विजय के इतिहास को समझने का दृष्टिकोण 'उत्तर से दक्षिण' की बजाय 'दक्षिण से उत्तर' की ओर मोड़ना चाहिए। सुधांशु त्रिवेदी ने यह बात दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय 'शब्दोत्सव 2026' के दूसरे दिन 'दक्षिणपथ' विषय पर कही। कार्यक्रम के दूसरे दिन अन्य सत्रों, कवि सम्मेलनों से लेकर पुस्तक लोकार्पण, दक्षिणपथ मुद्दे और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं की भीड़ जुटी। प्रवक्ता ने आरोप लगाया, देश में सीखने की लगन के बजाय, उत्तर-दक्षिण, प्रांतों, भाषाओं और जातियों में जानबूझकर 'जलन' पैदा करने

की कोशिश की जा रही है, जो एक गहरे षड्यंत्र का हिस्सा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान कांग्रेस मतलब मुसलमान, मुसलमान मतलब कांग्रेस का हवाला देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि अब मुकाबला 'मुसलमान और मुस्लिमीन' के बीच है। वक्ता ने देश में 'उत्तर-दक्षिण' के नाम पर प्रांत, वर्ग और भाषा के आधार पर विभाजनकारी उपकरण खोजने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि मुस्लिम नेता कभी भी अपनी भाषाई विविधता (जैसे तेलुगु, असमिया, कश्मीरी) पर जोर नहीं देते, बल्कि वे एक ही बात पर खड़े रहते हैं, जो बताता है कि उनकी एकता एक अलग आधार पर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुस्लिम समाज में तथाकथित निम्न-पिछड़ी जातियों (गद्दी, घोसी, अंसारी) को शेख और सैयद के खिलाफ खड़ा नहीं किया जाता, जबकि हिंदू समाज में उच्च और निम्न वर्ग का संघर्ष जारी है। इस मौके पर 'आरएसएस 360 डिग्री' पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके लेखक रतन शारदा हैं। उन्होंने पैनल चर्चा में बताया कि यह पुस्तक उनके वर्षों के अनुभव और शोध पर आधारित है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दर्शन, संगठन संरचना और कार्यप्रणाली को एक व्यापक और अंदरूनी दृष्टिकोण से सरल भाषा में प्रस्तुत करना है।

नर्मदा जल आपूर्ति पर सवाल, बेकरी गली में नलों से आ रहा कीड़ों वाला पानी

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद इंदौर के मालवा मिल के पास बेकरी गली के लोग नलों से आने वाले काले और कीड़े वाले पानी का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दूषित पानी फिल्टर करने और उबालने के बाद भी पीने लायक नहीं रहता, जिससे अक्सर लोग बीमार पड़ते हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया। महिलाओं ने कहा कि रोजाना सुबह पानी गंदा आता है। थोड़ी देर बाद पानी थोड़ा साफ हो जाता है,

लेकिन पूरी तरह साफ नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब हम इसे पीते हैं, तो बीमार पड़ जाते हैं। बच्चों को उल्टी और दस्त समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। एक स्थानीय महिला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि पानी बहुत गंदा आता है। पानी की लाइन चालू होने के बावजूद गंदा पानी ही आता है।

पानी में लाल कीड़े भी आते हैं। जब पहली बार नल चलता है तो पानी इतना गंदा होता है कि हम उसे बिल्कुल इस्तेमाल नहीं कर सकते, लेकिन कुछ देर बाद वह थोड़ा ठीक हो जाता है। उन्होंने यह भी समस्या बताई कि पानी सिर्फ कुछ देर के लिए आता है। एक युवक ने बताया कि बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और बर्तन धोने में भी बहुत दिक्कत हो रही है। पानी जिंदगी के लिए जरूरी है, लेकिन यह पानी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, 'आप यहां घरों की हालत देख सकते हैं, कोई सही इंतजाम नहीं किया गया है। सिर्फ नॉर्मल नल का पानी, नर्मदा का पानी ही मिलता है। पहली दिक्कत यह है कि यहां का पानी गंदा है। हम उसे कैसे पी सकते हैं? यहां पानी को फिल्टर करने का कोई सिस्टम नहीं है। 'एक अन्य महिला ने कहा, 'पानी में बहुत सारे कीड़े आते हैं, जिनमें छोटे लाल कीड़े भी शामिल हैं।

'बॉलीवुड के लोग खुद को भगवान समझते हैं,' बांग्लादेशी खिलाड़ी को खरीदने के मामले पर भड़के अनिरुद्धाचार्य महाराज

एजेंसी

वृंदावन। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को 9 करोड़ में खरीदने के बाद बवाल तेज हो गया। विरोध प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है। वहीं, अब इस मामले पर वृंदावन के कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने अपना विरोध दर्ज कराया है और पूरे बॉलीवुड पर निशाना साधा है। बॉलीवुड को लेकर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, 'बॉलीवुड के लोग खुद को भगवान समझते हैं। उन्हें लगता है कि वे जो भी करें, कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता क्योंकि बॉलीवुड बहुत ताकतवर है। उनके पास पैसों की कोई कमी नहीं है, इसलिए उनमें घमंड भरा है कि कोई उन्हें छू नहीं सकता। वे खुलेआम गुटखा और शराब का प्रचार करते हैं। वे समाज को अनैतिकता की शिक्षा देते हैं। वे सिगरेट, गुटखा और जुए को बढ़ावा देते हैं। क्या सच में कोई उन्हें रोक पाया है? किसने उन्हें नुकसान पहुंचाया है? बॉलीवुड का मतलब है ताकत। वे खुद में ही ताकतवर लोग हैं। आप और मेरे जैसे आम लोग क्या कर सकते हैं? बीसीसीआई द्वारा केकेआर को बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने के निर्देश पर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज

ने कहा, 'हम यहां कहते हैं, 'सह खेलती, खड़ी सखा।' जो आपके साथ खेलता है, आपके साथ खाता है, वही मित्र है। हमारा मित्र कौन है? जो हमारे हिंदुओं को जलाता है, जो हमारे सनातनियों को दिनदहाड़े जिंदा मारता है। उन्होंने आगे कहा कि आज ही मैंने एक घटना सुनी कि एक बच्चे को पीट-पीटकर मार डाला गया। जो हमारे हिंदुओं से इतनी नफरत करते हैं, जो हमारे सनातनियों से इतनी नफरत करते हैं, हम उनके साथ क्रिकेट क्यों खेलें? जो खरीददारी कर रहे हैं, उनसे सवाल होना चाहिए। आप 9 करोड़ में खरीददारी कर रहे हैं? ठीक है, आपके पास पैसा है, लेकिन क्या आप उन्हें यह नहीं समझा सकते कि हम भारत के लोग हैं, भारत के लोगों ने ही हमें हमारा नाम दिया है? आप भारत के हिंदुओं को जिंदा जला रहे हैं। भारत से पैसा कमाकर, आप उन लोगों को पैसा भेज रहे हैं जो हिंदुओं से घोर नफरत करते हैं। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने आगे कहा कि फिल्म उद्योग की भूमिका क्या है? वे भारत की जनता को अपनी फिल्में बेचकर पैसा कमाते हैं और फिर उस धन को अन्यत्र बांट देते हैं। भारत की जनता ही उन्हें सुपर-डुपर स्टार बनाती है, जबकि उनका दिल बांग्लादेशियों के लिए धड़कता है। क्या यह हमारे साथ धोखा नहीं है? यह छल है। आपने हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है और उनके भरोसे को तोड़ा है। इसे विश्वासघात कहते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधायकों, प्रत्याशियों के साथ मैराथन बैठकें

वर्ष 2026-27 के बजट सुझावों पर हुआ गहन मंथन

8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब होगा आगामी बजट

भजनलाल सरकार में विकास का मिशन, कांग्रेस राज में चला कमीशन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगामी वर्ष 2026-27 के बजट को विकासोन्मुखी और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जिलेवार विधायकों और प्रत्याशियों से संवाद किया। उन्होंने अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना-कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, बहरोड़ और दौसा जिलों के विधायकों एवं प्रत्याशियों के साथ मैराथन बैठकें कर बजट के सुझावों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान महिला, युवा, किसान और गरीब सहित सभी वर्गों के कल्याण से संबंधित योजनाओं और कार्यों के साथ-साथ संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना सार्थक चर्चा की गई। जन आकांक्षाओं की पूर्ति राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है, इसको केन्द्र में रखते हुए बजट सुझावों पर मंथन किया गया। देर रात तक चली इन बैठकों में विधायकों और प्रत्याशियों ने बजट पर अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार जनता की अपेक्षाओं को दोगुनी रफ्तार से पूरा करते हुए नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान पर कार्य कर रही है। वहीं, कांग्रेस के पास राज्य सरकार के विरूद्ध कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए यह भ्रम और झूठ की राजनीति करती है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने कुनीतियों से राज किया और भ्रष्टाचार का साम्राज्य खड़ा किया। उनके समय में कमीशन लेकर कार्य किया जाता था, जबकि भजनलाल सरकार में विकास का मिशन ही विजन है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 8 करोड़ जनता को निरंतर विकास कार्यों की सौगात दे रही है। इन सभी विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ पूरा किया जा रहा है और हर योजना का लाभ लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा रहा है। भजनलाल सरकार के गत 2 वर्षों के कार्यकाल में अन्त्योदय को गति मिली है। आगामी बजट भी इन्ही संकल्पों को साकार करने वाला होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता से कर रही नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान

राजस्थान संपर्क पोर्टल प्रदेशवासियों के भरोसे और संवाद का बना विश्वसनीय मंच

हेल्पलाइन 181 के माध्यम से जनता की समस्याओं की नियमित सुनवाई

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान कर रही है। लोगों की सहायता के लिए स्थापित राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की हेल्पलाइन 181 आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का एक बेहतरीन मंच साबित हो रही है। यह पोर्टल (हेल्पलाइन 181) प्रदेशवासियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और समाधान के सोपान का अनूठा माध्यम बनता जा रहा है। यह प्रणाली एक ही प्लेटफार्म पर सुगम, सरल, पारदर्शी और त्वरित राहत का एक जरिया बनकर उभर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय-समय पर स्वयं हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर पर पहुंच कर आमजन की समस्याओं को सुनते हैं और उनके त्वरित निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। राजस्थान संपर्क के माध्यम से प्रदेश में

आमजन की शिकायत निवारण और राज्य सरकार के विभागों से संबंधित जानकारी प्रदान करने का मजबूत तंत्र विकसित हुआ है। यह हेल्पलाइन एक एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में कार्य करते हुए ऑनलाइन माध्यम से तय समय सीमा में शिकायतों और सवालों को सम्बंधित विभागों तक पहुंचाती है। साथ ही, नागरिकों को इस संबंध में लगातार अपडेट करते हुए उनसे फीडबैक भी लेती है। राजस्थान सम्पर्क द्वारा प्रतिदिन लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी समस्या का समयबद्ध समाधान

हनुमानगढ़ निवासी प्रभुराम के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान राजस्थान संपर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से हुआ। जब राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब हुआ तो 11 अक्टूबर 2025 को शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 13 अक्टूबर 2025 को जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। परिवाद के सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता ने संतुष्टि दर्ज कराते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया। इसी तरह कोटा निवासी श्रीमती शिवानी रजत जी के जनआधार में आय प्रमाण पत्र अपडेट नहीं होने से काम अटका हुआ था। 25 नवम्बर 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई और यहीं से समाधान की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 28 नवम्बर 2025 को आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जनआधार अपडेट कर दिया गया।

सफाई की शिकायत, तुरंत कार्रवाई

बीकानेर निवासी गोविंद सिंह ने जब अपने क्षेत्र में सफाई नहीं होने की समस्या को लेकर 11 दिसम्बर 2025 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें तुरंत जवाब मिला। नगरपालिका बीकानेर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सफाई करवाकर समस्या का निस्तारण किया।

यही नहीं, अंता (बारां) निवासी रवि की कॉलोनी में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा था, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही थी। 2 दिसम्बर 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुई और समाधान भी तुरंत हुआ। शिकायत मिलते ही नगर पालिका, बारां ने उसी दिन बताए गए स्थान पर सफाई करवाई। शिकायतकर्ता से संवाद कर निस्तारण का सत्यापन भी किया गया।

खेत तक पहुंची रोशनी, कृषक को मिली राहत

भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर निवासी श्यामलाल के खेत पर एक महीने तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से कृषि संबंधी कार्य बाधित हो रहा था। 26 नवम्बर 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज हुई। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 28 नवम्बर 2025 को खेत पर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी।

सुविधाओं का सुचारू संचालन हुआ सुनिश्चित

सलूम्बर के बामनिया निवासी महेश कुमार के क्षेत्र में पाइपलाइन टूट जाने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। कई बार सूचना देने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही, तब 5 दिसम्बर 2025 को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सक्रिय हुआ और 7 दिसम्बर 2025 को संबंधित उपखंड के सहायक अभियंता द्वारा टूटी पाइपलाइन को ठीक करवा दिया गया। ऐसा ही एक मामला सवाईमाधोपुर जिले के बोली क्षेत्र में देखने को मिला, जब सार्वजनिक हैंडपंप खराब होने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार ने 12 अक्टूबर 2025 को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज कराई और प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अगले ही दिन, 13 अक्टूबर 2025 को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप को ठीक करवा दिया गया। उपरोक्त सभी उदाहरण यह साबित करते है कि जब नागरिक अपनी समस्या सही मंच तक पहुंचाते हैं, तो प्रशासन भी उतनी ही संवेदनशीलता और तत्परता से समाधान सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन नागरिक और सरकार के बीच विश्वास की वह कड़ी है, जहां हर शिकायत सिर्फ सुनी नहीं जाती, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ उसका समाधान किया जाता है। यही जनसेवा की सच्ची पहचान है।

राज्य की पहली लैंड पूलिंग योजना को गति देने के लिए जेडीए अधिकारियों का दल जाएगा गुजरात

जेडीसी ने ली समीक्षा बैठक

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर के सुनियोजित विकास और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, जयपुर विकास प्राधिकरण ने राज्य की पहली लैंड पूलिंग योजना (शिवदासपुरा, बरखेड़ा, चंदलाई) के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्णय लिया है।

जयपुर विकास आयुक्त ने जेडीए अधिकारियों के एक उच्च-स्तरीय दल को गुजरात के आधिकारिक दौरे पर जाने के निर्देश दिए हैं। यह दल गुजरात में सफलतापूर्वक चल रही लैंड पूलिंग योजनाओं का जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा। इसके अतिरिक्त, दल को यह जिम्मेदारी भी सौंपी गई है कि वे माननीय उच्च न्यायालय, गुजरात द्वारा लैंड पूलिंग से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण एकत्रित करें, ताकि जयपुर की योजना में विधिक अड़चनों का त्वरित समाधान किया जा सके। लैंड

पूलिंग योजना के प्रस्तुतीकरण और अब तक की प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को जेडीए के मंथन सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक में निदेशक आयोजना, निदेशक अभियांत्रिकी-I, उपायुक्त (जोन 11/14) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। गौरतलब है कि राजस्थान लैंड पूलिंग योजना अधिनियम-2016 के तहत विकसित की जा रही इस महत्वकांक्षी परियोजना का विकास कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। यह प्रदेश की पहली ऐसी योजना है जिसमें किसानों और खातेदारों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, अवाप्ति के बदले उन्हें कुल भूमि का 45 प्रतिशत हिस्सा विकसित भूमि के रूप में लौटाने का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है। यह योजना आधुनिक नगर नियोजन का एक उत्कृष्ट उदाहरण होगी, जिसमें सुव्यवस्थित सड़कें, पार्क, और अन्य जनसुविधा क्षेत्रों का विकास प्रस्तावित है। यह लैंड पूलिंग योजना न केवल स्थानीय किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगी, बल्कि यह जयपुर शहर के समग्र और नियोजित विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की शिष्टाचार भेंट

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की। शर्मा से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक में पंचायती राज मंत्री ने मिशन को सफलता बनाने के लिए समन्वय और समर्पण से कार्य करने के निर्देश दिए

स्वच्छता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल— मदन दिलावर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को शासन सचिवालय में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लक्ष्यों, प्रगति, कार्ययोजना की समीक्षा की । बैठक में पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी भी उपस्थित रहे। बैठक में पंचायती राज मंत्री ने कहा कि स्वच्छता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरवरी माह के अंत तक सभी जिलों को साफ-सुथरा बनाए जाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रतिदिन सफाई कार्य एवं प्रतिदिन कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सफाई एवं कचरा प्रबंधन से संबंधित निरीक्षणों की रिपोर्ट नियमित रूप से प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए। दिलावर ने आगामी माह में 'पॉलीथिन मुक्त अभियान' चलाने के निर्देश दिए गए। इस अभियान के अंतर्गत पॉलीथिन के उपयोग पर रोक लगाने एवं आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण, दौरा करने पर अधिकारी रात्रि विश्राम करना भी सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी देखें कि उनके जो अधीनस्थ अधिकारी निरीक्षण के लिए अधिकृत है, उन्होंने संबंधित गांव का निरीक्षण किया है या नहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए तथा उत्कर्ष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों,पंचायत समिति व जिलो को सम्मानित करें, वहीं कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत में सफाई कर्मचारी का नाम एवं फोन नंबर सूचना बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए ताकि आमजन को संपर्क में सुविधा हो। बैठक में स्वच्छता के कार्यो की मोनिटरिंग हेतु रील द्वारा हेल्पलाइन एवं मोबाईल एप का प्रस्तुतीकरण दिया गया। दिलावर ने इसको शीघ्र लॉन्च करने के निर्देश प्रदान किये। बैठक डॉ जोगाराम, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग, सुसलोनी खेमका, निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जेडीए की नई पहल: अब घर बैठे होगी ई-जनसुनवाई, प्रकरणों के क्वालिटी डिस्पोजल और पारदर्शिता पर जेडीसी का विशेष जोर

द अरकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सोमवार को जेडीए के मंथन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में नागरिकों को प्रदत्त की जा रही सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कई अहम निर्णय लिए। बैठक में जेडीए के सभी प्रकोष्ठों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जेडीसी महाजन ने आमजन की सुविधा के लिए ई-जनसुनवाई सेवा शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिये। इस नवाचार के तहत आमजन को अब अपनी शिकायतों और समस्याओं के लिए जेडीए कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिक किसी भी स्थान से जेडीए अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रख सकेंगे। इस व्यवस्था में शिकायतकर्ता को एसएमएस या वॉट्सऐप पर एक लिंक भेजा जाएगा, जिसके माध्यम से वे संबंधित जेडीए अधिकारियों से ऑनलाइन जुड़कर संवाद कर सकेंगे। इससे नागरिकों के समय की बचत होगी और समस्याओं का त्वरित व गुणात्मक समाधान सुनिश्चित होगा।

महाजन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लक्ष्य केवल पेंडेंसी को शून्य करना नहीं, बल्कि प्रकरणों का क्वालिटी डिस्पोजल (गुणवत्तापूर्ण निस्तारण) होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा केंद्र के माध्यम से प्राप्त होने वाले लीजहोल्ड, नाम हस्तांतरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र और उप-विभाजन/पुनर्गठन जैसे प्रकरणों का

निस्तारण समय-सीमा में और संतोषप्रद तरीके से किया जाए, जिससे नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

कार्यप्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाने के लिए जेडीसी ने एक नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया। इसके तहत सेवानिवृत्त प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, जो पिछले तीन माह में निस्तारित किए गए प्रकरणों की समीक्षा (ऑडिट) करेंगे। यह जांचा जाएगा कि निस्तारण समयबद्ध, नियमानुसार और गुणात्मक रूप से हुआ है या नहीं। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए जेडीसी ने निर्देश दिए कि आगंतुक अपनी शिकायतें सीधे जोन उपायुक्तों या प्रकोष्ठ प्रभारियों को ही प्रस्तुत करेंगे। जोन के अन्य अधीनस्थ अधिकारियों अथवा कर्मचारियों से सीधे मिलने पर पाबंदी रहेगी, जिससे कार्य निष्पादन में गति और सुधार आएगा। साथ ही, सभी जोन कार्यालयों को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा ताकि कार्यालयों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके और अवांछित लोगों की पहचान कर उन पर रोक लगाई जा सके। बैठक में डीटीएस, राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री जनसुनवाई, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग और विधानसभा प्रश्नों सहित राइजिंग राजस्थान से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जेडीसी ने निर्देश दिए कि अतिक्रमण, बिल्डिंग प्लान, ले-आउट प्लान, भू-उपयोग परिवर्तन और माननीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायतों का श्रेणीवार वर्गीकरण कर गुणात्मक निस्तारण किया जाए। बैठक में बताया गया कि सभी सेवाओं और प्रक्रियाओं के लिए प्रशासन द्वारा अलग-अलग एसओपी जारी की जाएगी, जिससे पूरी व्यवस्था पारदर्शी बनी रहे। इसके अतिरिक्त, डिजिटाईलेजशन को बढ़ावा देने के लिए समस्त कार्यालयों को पत्रावलियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे फाइलों की ऑनलाइन स्कैनिंग प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण किया जा सकेगा।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026, रोजगार, युवा शक्ति और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर हुई चर्चा, डेटा संप्रभुता के साथ एआई टूल का उपयोग वर्तमान समय की मांग - विधानसभा अध्यक्ष

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के तहत सोमवार को मुग्धा हाल में 'एआई, यूथ एंड रिस्पॉन्सिबल सिटिजनशिप' विषय पर सत्र में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ एआई विशेषज्ञ अजय डाटा और एमआईटी के प्रोफेसर रमेश रासकर ने एआई के भविष्य, रोजगार, युवा शक्ति और स्टार्टअप्स के अवसर पर व्यापक चर्चा की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि एआई आज एक ऐसा टूल बन गया है, जिसका उपयोग वर्तमान समय की मांग है। राज्य सरकार एआई अपनाने में दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एआई का उपयोग करते समय डेटा संप्रभुता, नागरिकों की निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐहतियाती कदम उठाना आवश्यक है। एआई का उपयोग केवल राष्ट्रहित और सामाजिक विकास के लिए होना चाहिए।

देवनानी ने यह भी कहा कि राजस्थान ने नीतियों, संस्थागत सहयोग और अवसंरचना के माध्यम से स्टार्टअप्स को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि एआई के युग में स्टार्टअप्स को केवल एआई का उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि एआई के निर्माता बनने की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य में एआई ट्रेनिंग सेंटर और कौशल विकास कार्यक्रम स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान डिजिफेस्ट-2026 इस दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है और ऐसे आयोजन राजस्थान को देश में एआई के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाएंगे।

प्रोफेसर रमेश रासकर ने डेटा संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के एआई मॉडल और प्लेटफॉर्म विकसित करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार इस दिशा में एक कदम बढ़ा चुकी है और आईटी विभाग के साथ मिलकर 'मेरा एआई प्रोजेक्ट' पर कार्य जारी है, जिसके माध्यम से राज्य एआई के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने राजस्थान सरकार की आईस्टार्ट पहल की सराहना करते हुए इसे स्टार्टअप इकोसिस्टम में नेतृत्वकारी बताया।

अजय डाटा ने कहा कि एआई में सपनों को हकीकत में बदलने की क्षमता है। लेकिन इसके लिए केवल एआई पाठ्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। लोगों को एआई एजेंट बनाने और उन्हें उपयोग में लाने का प्रशिक्षण देना समय की मांग है।

स्वामी एवं प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RAJHIN/25/A4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theunvoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।